भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

3 दिसम्बर- 9 दिसम्बर 2025

jagrukjanta.net

मार्गशीर्ष, पक्ष - शुक्ल, तिथि - त्रयोदशी, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-40, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

रणथंभौर के बाघ और दुनिया की चहलकदमी

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

रणथंभौर का अपना इतिहास रहा है। घना जंगल और कई रियासतों की रेखाओं को इंगित करता रणथंभौर अब अभ्यारण्य का झरोखा भर रहा गया है। यहां देश-दुनिया की चहलकदमी अब यहां के पेशेवर रहवासी (जंगली जानवर) को खटकने लगी है। शाही परिवारों के लिए महत्वपूर्ण शिकारगाह रहा रणथंभौर जयपुर महाराजा की संपत्ति थी। इसे स्वतंत्रता के बाद 1955 में, अभयारण्य का दर्जा दिया गया। यहां पहले पर्याप्त संख्या में चीतल, सांभर, जंगली सुअर, नीलगाय आदि पाए जाते थे। अरावली और विंध्य पहाड़ियों के मिलन की वजह से यहां वन्यजीवों के लिए ज़रूरी सभी सुविधाएँ सुलभ थीं जैसे, चारा और जल स्रोत। वर्ष 1972 को भारत में वन्यजीव संरक्षण के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के तौर पर याद रखा जाएगा, जब राष्ट्रीय स्तर पर वन्यजीव रक्षा अधिनियम लागू हुआ। इससे कुछ महत्वपूर्ण लोगों पर लगाम लगाने में मदद मिली, वे चाहे पूर्व शासक हों या राजनेता या नौकरशाह जिन्होंने रणथंभौर जैसे महत्वपूर्ण वन्य जीव संरक्षित क्षेत्र को शिकार जैसे मनोरंजन की जगह बना लिया था। नेशनल टाइगर प्रोजेक्ट की शुरुआत 1973 में हुई, और बाघों की आबादी इसी साल दोहरे अंकों में चली गई। प्रधानमंत्री इस परियोजना की स्टीयरिंग कमिटी के पदेन अध्यक्ष होने के नाते वन विभाग के पास संसाधन थे, और उन्हें सरकार का सहयोग चाहिए था। बाघों की संख्या तेज़ी से बढ़ने लगी और रणथंभौर सारी दुनिया में बाघों के दर्शन के लिए जाना जाने लगा।

बाघों की संख्या बढ़ने पर उनकी व्यवस्था के मक़सद से वर्ष 1991 में कैलादेवी अभयारण्य को रणथंभौर प्रोजेक्ट के तहत लाया गया। लेकिन शिकार और प्राकृतिक सुविधाओं की कमी की वजह से कैलादेवी बाघों को आकर्षित नहीं कर सका। आस-पास के कुछ अन्य जंगलों और सवाई मानसिंह नाम के एक छोटे अभयारण्य को भी इसी वर्ष रणथंभौर रिज़र्व में जोड़ा गया, जिससे प्रोजेक्ट टाइगर का क्षेत्र बढ़कर 1700 वर्ग किलोमीटर हो गया।

shivdayalmishra@gmail.com

सीएम भजनलाल ने पीएम मोदी को सौंपा 'रिपोर्ट कार्ड'

जयपुर में आज कैबिनेट मीटिंग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में मंत्रिमंडल फेरबदल कुछ साल और राजनीतिक नियुक्तियों की अटकलों के बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिल्ली दौरे ने प्रदेश की सियासत और शासन दोनों में हलचल मचा दी है. दिल्ली दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रियों से लंबी मुलाकातों के बाद मुख्यमंत्री का कल कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक बुलाना कई तरह की चर्चाओं को जन्म दे रहा है।

दिल्ली में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात में राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर तैयार किया गया रिपोर्ट कार्ड सौंपा और फ्लैगशिप योजनाओं की अब तक की प्रगति का पूरा ब्यौरा दिया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया है। सरकार इस सम्मेलन को एक बड़े सामाजिक जुड़ाव के अवसर के रूप में देख रही है जहां देश और विदेश में बसे राजस्थानियों को फिर से राज्य से जोड़ने की कोशिश की जाएगी।

रिफाइनरी प्रोजेक्ट के जल्द शुभारंभ का आग्रह

मुख्यमंत्री ने पचपदरा रिफाइनरी प्रोजेक्ट के जल्द शुभारंभ का आग्रह भी किया, क्योंकि यह परियोजना लंबे समय से राज्य की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक योजनाओं में मानी जाती है और इसके शुरू होने से बड़े स्तर पर निवेश और रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री की मुलाकात केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी हुई। माना जा रहा है कि इस बातचीत में राजस्थान सरकार और भाजपा संगठन के कामकाज पर फीडबैक के साथ राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई है। इसके अलावा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात में राज्य के बजट, केंद्रीय योजनाओं से मिलने वाली राशि और लंबित वित्तीय मामलों पर बात हुई है।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com

प्रवासी राजस्थानी दिवस से पहले जीर्ण-शीर्ण हवेलियों को संजोयेगी राज्य सरकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की ढहती धरोहरों को बचाने और संरक्षित करने के लिए बड़ी मुहिम शुरू की जा रही है। राज्य सरकार ने खत्म होती हवेलियों को बचाने के लिए प्रवासी राजस्थानियों को साथ लिया है। शेखावटी, नवलगढ़, सीकर, जैसलमेर, बीकानेर, जयपुर, झुंझुनूं और चूरू जैसे कई शहरों में 9 से 10 हजार हवेलियां हैं, जिनमें से ज्यादातर प्रवासियों राजस्थानियों की है। जीर्ण-शीर्ण स्थिति में कई हवेलियों पर कब्जे हो गए तो कुछ को तोड़कर कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स बना दिए गए हैं।

इसके अलावा राज्य सरकार ने 'शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना' की शुरुआत की है, जिसके तहत झुंझुनूं, सीकर और चूरू जिलों की सैकड़ों हवेलियों को न सिर्फ संरक्षित किया जाएगा, बल्कि उन्हें पर्यटन का नया केंद्र बनाया जाएगा। प्रवासी राजस्थानी दिवस से ठीक पहले मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचा तो अफसर हरकत में आए। मंशा है कि मौजूदा हवेलियां को बचाने के लिए उन्हें आमदनी का स्थाई मॉडल बना दिया जाए, ताकि इनका संरक्षण सके। इसके लिए विभिन्न गतिविधियों के संचालन की भी छूट दी जा सकती है।

प्रवासी राजस्थानियों की ज्यादातर हवेलियों पर ताले लगे हैं, जिससे वे जीर्णशीर्ण स्थिति में पहुंच गई हैं। सरकार की मंशा है कि ऐसी सभी हवेलियों को हेरिटेज टूरिज्म से जोड़ा जाए। यही जानकारी प्रवासी राजस्थानियों को भी दी जा रही है। उन्हें भरोसा दिलाया गया है कि सरकार वहां बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करेगी और वहां किसी तरह का कब्जा या दिक्कत नहीं आए, इसके लिए सुरक्षा भी देगी, ताकि वे हवेलियों का पुनर्निर्माण कर उन्हें उपयोगी बना सके।

बजट वर्ष 2025-26 में घोषित इस योजना के तहत सैंकड़ों हवेलियां चिन्हित की गई हैं। इनमें से कई हवेलियों को हेरिटेज वॉक, सांस्कृतिक केंद्र, आर्ट गैलरी, होमस्टे और पर्यटन हब में बदला जाएगा।

हवेलियों की भूमि शेखावाटी

शेखावाटी यानी 'सीकर, झुंझुनूं और चूरू' लंबे समय से 'हवेलियों की भूमि' के रूप में प्रसिद्ध है। व्यापारी परिवारों ने यहां भित्ति-चित्रों और स्थापत्य कला से सजी हवेलियां बनवाईं। इन हवेलियों की दीवारों पर रामायण, कृष्णलीला और लोकजीवन की झलकियां मिलती हैं। यही वजह है कि इसे एक तरह का 'ओपन एयर फ्रेस्को गैलरी' कहा जाता है। समय के साथ जब व्यापारी कारोबार के लिए कोलकाता, हैदराबाद और सूरत जैसे शहरों में बस गए, तो हवेलियां खाली होती गईं और अब इनमें कई हिस्सेदारों के नाम दर्ज हैं।

इनका दायरा बढ़ाने की तैयारी

- हैरिटेज गेस्ट हाउस और होटल।
- आर्ट गैलेरी, म्यूजियम।
- क्राफ्ट व कल्चरल सेंटर
- म्यूजिक ट्रेनिंग सेंटर
- पारंपरिक फूड सेंटर व सांस्कृतिक गतिविधियां।

इन पर गौर करे सरकार

- जयपुर में कई हवेलियां कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स में तब्दील हो चुकी हैं।
- शेखावटी इलाके में करीब 500 हवेलियां तोड़ी जा चुकी हैं।
- नवलगढ़ में 300 में 165 हवेलियां बचीं हैं।
- बीकानेर में 2 हजार से अधिक हवेलियां थीं, अब संख्या घटकर करीब 1100 रह गईं हैं।

हवेलियों वाला इलाका बनेगा 'वॉकेबल एरिया'

जिन क्षेत्रों में ये हवेलियां हैं, उन्हें 'वॉकेबल एरिया' घोषित किया जाएगा। यानि, ऐसे क्षेत्रों में पैदल घूमने, देखने और स्थानीय संस्कृति को महसूस करने की सुविधा बढ़ाई जाएगी। इससे पर्यटन और व्यापार दोनों को फायदा होगा।

150 साल पुरानी हवेली

झुंझुनूं मांडवा की इस हवेली को मोहनलाल सर्राफ ने बनवाया था। यह हवेली महीन पेंटिंग के लिए प्रसिद्ध है। इस हवेली को सर्राफों से जोशी परिवार ने खरीद लिया है। हवेली की दुर्दशा को सुधार करके होटल में तब्दील करना चाहते हैं। कुछ कमरे तैयार भी हो गए हैं।

बनेगी दीर्घकालीन योजना

शेखावाटी में विरासत संरक्षण और पर्यटन विकास के लिए विभिन्न विभागों की ज्वॉइंट कमेटी गठित की जाएगी, जो रामगढ़, नवलगढ़, मंडावा, खेतड़ी, लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर और महनसर कस्बों में दीर्घकालिक कार्ययोजना बनाएगी। मुख्यमंत्री ने जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि भविष्य में किसी भी हवेली या धरोहर को तोड़ा न जाए।

पर्यटन संभावनाओं का नया द्वार

पिछले कुछ वर्षों से हवेलियों को हेरिटेज होटलों और सांस्कृतिक केंद्रों में बदला जा रहा है। इस साल के पहले छह महीनों में यहां लगभग 1.9 करोड़ देशी और 33 हजार विदेशी पर्यटक पहुंचे। हालांकि इनमें से अधिकांश धार्मिक तीर्थ खाटूश्यामजी आने वाले श्रद्धालु थे, लेकिन पर्यटन विशेषज्ञ मानते हैं कि हवेलियों की वजह से शेखावाटी में नए पर्यटन अवसर खुलेंगे।

हवेलियों के संरक्षण पर हुई चर्चा

प्रवासी राजस्थानियों की कई हवेलियां जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। इन हवेलियों के संरक्षण पर चर्चा हुई है। हैरिटेज टूरिज्म से जोड़ने के लिए पर्यटन विभाग काम कर रहा है।
सुरेश ओला, आयुक्त, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन (बीआईपी)

पर्यटकों के लिए जल्द लांच होगा AI वाला टूरिज्म मोबाइल ऐप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार पर्यटकों के लिए एक नई सुविधा ला रही है। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा, हम बहुत जल्द एक मोबाइल ऐप लॉन्च करने वाले हैं। यह ऐप, AI से जुड़ा हुआ होगा। जो भी (पर्यटक) उसे अपने फोन में डाउनलोड करेगा, तो उसके हिसाब से उसकी आइटनरी (यात्रा कार्यक्रम लिस्ट) बन जाएगी। उस ऐप में सेफ्टी फीचर भी होगा। दीया कुमारी ने कहा ने इस ऐप को जो भी डाउनलोड करेगा, तो यह ऐप उसके हिसाब से उसकी आइटनरी बन देगा। जैसे मान लीजिए किसी को वाइल्डलाइफ पसंद है तो कोई दर्शन करने आना चाहता है या फिर

किसी को किले देखने की इच्छा है, या फिर वह राजस्थान के खान पान का अनुभव लेना चाहता है तो यह ऐप उसकी इच्छा अनुसार उसकी आइटनरी बना देगा। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी इसके साथ ही सुरक्षा सुविधाएं भी, जैसे कि नज़दीकी पुलिस स्टेशन और अस्पताल। यह फ़ोन ऐप इनमें भी आपकी मदद करेगा। हम इसे बहुत जल्द लॉन्च कर रहे हैं। इसमें कई नई तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

अच्छी सड़कें और मूलभूत सुविधाएं विकसित कर रही है सरकार

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहाकि हमारा मानना है कि अगर पर्यटक राजस्थान में आए तो एक नहीं 2-3 दिन राजस्थान में गुजारे और इन स्थानों पर जाए। जैसे महाराणा प्रताप सर्किट। उदयपुर तो बहुत सारे पर्यटक आते हैं, श्रीनाथजी के दर्शन करते हैं। दूसरे धार्मिक स्थलों पर जाते हैं। अब हमारी योजना है कि पर्यटक राजसमंद, हल्दीघाटी, कुंभलगढ़, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर भी जाएं और वह के दर्शनीय स्थलों को देखें। इसके अतिरिक्त सरकार नए पर्यटक केंद्र बना रही है। अच्छी सड़कें और मूलभूत सुविधाएं विकसित कर रही है।

खाटूश्याम जी के लिए कंप्रिहेंसिव प्लान

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आगे कहा, खाटू श्याम जी में केंद्र की ओर से भी काम चल रहा है। हम लोग भी काम कर रहे हैं। पीडब्ल्यूडी और नेशनल हाईवे का भी काम हो रहा है। एक रिंग रोड़ भी बन रही है। खाटू श्याम में कई सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। वहां पर जब मेला लगता है तो भारी भीड़ होती है, जिस वजह से ट्रैफिक में काफी दिक्कत आती है। इसके लिए भी काम चल रहा है। इन सभी चीजों का एक कंप्रिहेंसिव प्लान बन चुका है। और उस पर काम शुरू हो चुका है।

झुंझुनूं में सरकार बना रही है वॉर म्यूजियम

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आगे कहाकि अगर कोई खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए आता है, तो वह शाकंभरी माता, सालासर बालाजी और शेखावटी की हवेलियां भी देखे। हम लोग झुंझुनूं में एक वॉर म्यूजियम भी तैयार कर रहे हैं, उसकी डीपीआर बन रही है। तो यह पूरा एक एरिया बन जाएगा, शेखावटी रीजन।

जयपुर कलक्टर सोनी ने रक्तदान कर मनाया जन्मोत्सव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रक्तकोष फाउंडेशन के संस्थापक डॉ.जितेंद्र कुमार सोनी IAS (जिला कलक्टर, जयपुर) ने जनसेवार्थ जागरूकता सप्ताह अन्तर्गत रक्तदान कर अपना जन्मदिन मनाया। जनसेवार्थ जागरूकता सप्ताह अन्तर्गत आमजन में रक्तदान के प्रति जागरूकता लाने और युवाओं को रक्तदान हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से आपने राजकीय ब्लड बैंक, जयपुरिया हॉस्पिटल, जयपुर में अपने जन्मदिन पर 85वीं बार रक्तदान किया। इस मौके आपके साथ रक्तकोष फाउंडेशन राष्ट्रीय महासचिव श्री ताराचंद शर्मा, ने भी अपना 54वाँ रक्तदान किया। आप दोनों ने स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और अपने व अपने इष्ट मित्रों के जन्मदिन को खास बनाने के लिए प्रेरित करने हेतु सीधे ब्लड बैंक आकर रक्तदान किया ।

कृषि विपणन विभाग की विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित

बजट घोषणाओं को तय समय में पूरा कर कृषकों को पहुंचाएं लाभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में कृषि विपणन विभाग एवं कृषि विपणन बोर्ड की योजनाओं की प्रगति के समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। प्रमुख शासन सचिव ने बैठक में मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना, महात्मा ज्योतिबा फुले मंडी श्रमिक कल्याण योजना, किसान कलेवा, कृषक उपहार योजना, ई-भुगतान प्रोत्साहन योजना, सावित्रीबाई फुले महिला कृषक सशक्तिकरण योजना, मंडी परागों में आवंटन एवं बजट घोषणाओं और राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में प्राप्त एमओयू की समीक्षा की। इसके साथ ही एफपीओ, मसाला प्रकोष्ठ, फूड पार्क, पीएमएफएमई और निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की। मंजू राजपाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बजट घोषणाओं को तय समय में पूरा कर कृषकों को लाभ पहुंचाया जाये। उन्होंने बैठक में निर्देशित किया कि मण्डियों में पार्किंग व्यवस्था सुव्यवस्थित की जाये। बैठक में निदेशक कृषि विपणन विभाग राजेश कुमार चौहान, अतिरिक्त निदेशक विभाग विभाग सुरेंद्र सिंह यादव, महाप्रबंधक विपणन बोर्ड संतोष करोल, संयुक्त निदेशक संजय व्यास, संयुक्त निदेशक टी. आर. मीणा और उप निदेशक केसर सिंह सहित कृषि विपणन विभाग और विपणन बोर्ड के अधिकारी मौजूद रहे।

कोयम्बटूर-जयपुर-कोयम्बटूर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन 18 से

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु कोयम्बटूर-जयपुर-कोयम्बटूर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 06181, कोयम्बटूर-जयपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल रेलसेवा 18.12.25 से 25.12.25 तक (02 ट्रिप) कोयम्बटूर से प्रत्येक गुरूवार को 02.30 बजे रवाना होकर शनिवार को 13.25 बजे जयपुर पहुँचेगी। गाडी संख्या 06182, जयपुर-कोयम्बटूर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल रेलसेवा 21.12.25 से 28.12.25 तक (02 ट्रिप) जयपुर से प्रत्येक रविवार को 22.05 बजे रवाना होकर बुधवार को 8.30 बजे कोयम्बटूर पहुँचेगी। इस रेलसेवा में 7 थर्ड एसी, 4 थर्ड एसी इकोनोमी 7 द्वितीय शयनयान, 2 पॉवरकार डिब्बो सहित कुल 20 डिब्बे होगे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में 5 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

आयुर्वेदिक औषधियों की गुणवत्ता, सुरक्षा सुनिश्चित करना वर्तमान समय की आवश्यकता है-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग द्वारा आयोजित एएसयू दवाओं के गुणवत्ता नियंत्रण मानकों पर 5 दिवसीय हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता एनआईए के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेदिक औषधियों की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करना वर्तमान समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम युवा शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं तथा आयुर्वेद की वैश्विक स्वीकार्यता को बढ़ाने में योगदान देते हैं।

समारोह में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) के निदेशक प्रो. पी.के. प्रजापति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण की आधुनिक विधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पारंपरिक ज्ञान और वैज्ञानिक तकनीकों का समन्वय ही आयुर्वेद के अनुसंधान को नई दिशा देगा। डब्ल्यूएचओ कंसल्टेंट प्रो. पवन गोडाटवार ने भी कार्यक्रम में अपनी विशेषज्ञ राय साझा की और इसे राष्ट्रीय स्तर पर क्षमतावर्धन का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। कार्यक्रम के संयोजक विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपम श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रशिक्षण में देशभर से आए प्रतिभागियों ने प्रयोगशाला तकनीकों, विश्लेषण प्रक्रियाओं और गुणवत्ता परीक्षण के आधुनिक मानकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।

दुर्गम तीर्थस्थलों में भी सुरक्षित हेलीकॉप्टर मॉडल लागू करना स्वागत योग्य कदम-राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने चार धाम तीर्थयात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के मुद्दे को सदन में प्रमुखता से उठाया। राठौड़ के सवाल के जवाब में नागर विमानन मंत्रीमुरलीधर मोहोल ने बताया कि हेलीकॉप्टर संचालन को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कई अतिरिक्त उपाय किए गए हैं। सहस्त्रधारा (देहरादून) और सीतापुर (केदारनाथ) हेलीपैड पर विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। इन कक्षों में यूसीएडीए के प्रभारी अधिकारी, एटीसी अधिकारी और आईएमडी अधिकारी वास्तविक समय के मौसम डेटा और यातायात स्थितियों के आधार पर गो/नो-गो निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार हैं। यह व्यवस्था तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण साबित हुई है।

सांसद मदन राठौड़ ने हेलीपैड निरीक्षण और प्रचालकों के ऑडिट पर भी स्पष्ट जानकारी मांगी। इसके जवाब में मंत्री ने बताया कि केदारनाथ के लिए परिचालन आरंभ करने से पहले डीजीसीए ने 7 हेलीपैडों और 6 हेलीकॉप्टर प्रचालकों का निरीक्षण/ऑडिट किया। इसके अतिरिक्त चार धाम हेतु परिचालन की अनुमति प्रदान करने से पूर्व 12 प्रचालकों और 10 हेलीपैडों की विस्तृत जाँच की गई। चार धाम और केदारनाथ मार्गों पर अतिरिक्त मौसम कैमरों की स्थापना की गई है, जिससे प्रतिकूल परिस्थितियों की त्वरित पहचान संभव हो सकी। उन्होंने बताया कि मानसून-पश्चात चरण में सभी उड़ानें सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप से संचालित की गईं और डीजीसीए के उपायों ने विश्वसनीयता को और मजबूत किया है। सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि डीजीसीए अब सुरक्षा मानकों को सभी तीर्थ और पर्यटन हेलीकॉप्टर परिचालनों में लागू करने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए 2023 के परिचालन परिपत्र में संशोधन किया गया है, जिससे अब यह सुरक्षा ढांचा राष्ट्रव्यापी स्तर पर प्रभावी हो गया है। राठौड़ ने कहा कि तीर्थयात्रा भारत की सांस्कृतिक धरोहर और भावनाओं से जुड़ी है, इसलिए इससे संबंधित सभी सेवाओं में सुरक्षा, पारदर्शिता और दक्षता सर्वोपरि रहेगी। उन्होंने मंत्रालय द्वारा अपनाए गए उपायों पर संतोष व्यक्त किया और आग्रह किया कि भविष्य में भी इसी गंभीरता से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026

31,000 से अधिक बूथ, 4 जिले एवं 24 विधानसभा क्षेत्रों में 100% कार्य संपन्न

शत प्रतिशत पूर्ण करने वाले 188 बीएलओ सुपरवाइजर्स का किया जाएगा सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रदेशभर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 का कार्य तेजी, सटीकता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ प्रगति पर है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि प्रदेश में कुल 5 करोड़ 46 लाख 56 हजार 215 गणना प्रपत्रों में से 5 करोड़ 33 लाख से अधिक प्रपत्र ईसीआईनेट पर अपलोड किए जा चुके हैं। यह निर्धारित अवधि से पूर्व ही 97.5 प्रतिशत उपलब्धि है, जो तकनीकी दक्षता, टीमवर्क और जिला स्तर पर सतत मॉनिटरिंग का परिणाम है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि प्रदेश के 31,000 से अधिक पोलिंग बूथों पर बीएलओ द्वारा 100 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। बाड़मेर, सलूंबर, बालोतरा और झालावाड़ जिलों में सभी गणना प्रपत्र पूर्णतः डिजिटाइज किए जा चुके हैं। इसी प्रकार 24 विधानसभा क्षेत्रों में भी 100 प्रतिशत प्रपत्र डिजिटाइज हो चुके हैं।

शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ एवं बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के पश्चात अब प्रदेश में अब तक शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ सुपरवाइजर्स का सम्मान किया जा रहा है। 2 दिसंबर को वीसी के माध्यम से मुख्य निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी मंगलवार 188 सुपरवाइजर्स को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करेंगे।

महाजन ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि समय पर गणना प्रपत्र भरकर अनिवार्य रूप से जमा करवायें। प्रदेश में अभी तक 92.5 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग हो चुकी है। यदि किसी कारणवश मैपिंग संभव नहीं हो पाती है, तब भी गणना प्रपत्र अवश्य जमा कराएं।

केवल उन्हीं मतदाताओं के नाम 16 दिसंबर को जारी होने वाली ड्राफ्ट मतदाता सूची में सम्मिलित किए जाएंगे, जिन्होंने समय पर अपने प्रपत्र जमा करवाए हैं।

गुप्त वृन्दावन धाम में हुआ अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

'भगवद्गीता- सिर्फ पुस्तक नहीं, जीवन का आध्यात्मिक प्रकाश'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भगवद गीता सिर्फ एक धार्मिक पुस्तक ही नहीं है यह तो वह प्रकाश है जो हमारे अँधेरे जीवन में उजियारा करता है, क्योंकि इसे स्वयं भगवान् कृष्ण ने अपने अपने श्रीमुख से उच्चारण किया है। जयपुर के गुप्त वृन्दावन धाम में 1 दिसंबर, गीता जयंती के दिन 'अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम हुए। 'अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव' समारोह की मुख्य अतिथि जयपुर नगर निगम ग्रेटर की पूर्व महापौर डा. सौम्या गुर्जर रही, उन्होंने विजेताओं को विशेष पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। आरजे शिवांगी फ़एम् तड़का, मंजू मीणा दूरदर्शन, ओ पी मोदी ओके प्लस ग्रुप और निर्मल दर्गड़ ईसीएम्एस ने भी बच्चों को उनकी उत्कृष्ट कला के प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। 'अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव' में जयपुर के 30 प्रमुख विद्यालयों के 500 विद्यार्थी जुड़े जिन्होंने कार्यक्रम में गीता श्लोक गायन, वैदिक वेशभूषा, शास्त्रीय नृत्य-नाटक जैसी समूह प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन किया। गीता जयंती के दिन एकादशी पर गुप्त वृन्दावन धाम में पूरे दिन गीता पारायण, गीता यज्ञ, गीता दान और विशेष कीर्तन का आयोजन हुआ। आगामी कार्यक्रमों की श्रृंखला में इंटरनेशनल गीता ओलंपियाड का शुभारम्भ किया गया। गुप्त वृन्दावन धाम के अध्यक्ष अमितासना दास ने कहा की अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव जयपुर और राजस्थान के साथ पूरे विश्व के लिए गीता आधारित शिक्षा और संस्कार का प्रेरणास्रोत बनेगा।

मुख्यमंत्री का प्रस्तावित श्रीगंगानगर दौरा -मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण का करेंगे शिलान्यास

गंगनहर के 100 वर्ष पूर्ण, नहरी तंत्र की मजबूती से काश्तकार होंगे लाभान्वित -3.14 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को मिलेगा पानी,

647.62 करोड़ रुपये की परियोजना में राजस्थान और पंजाब की हिस्सेदारी फसल उत्पादन में होगी वृद्धि

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान का नहरी तंत्र मजबूत बन रहा है। इसी क्रम में, शर्मा 5 दिसम्बर को फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इससे गंगनहर में वर्षभर पानी की पर्याप्त आवक बनी रहेगी तथा किसान रबी व खरीफ फसलों की जरूरत के अनुसार सिंचाई कर सकेंगे।

फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के तहत आर.डी. 0 से 168.230 तक सी.सी.लाईनिंग, 2 हैड रेगूलेटरों का पुनर्निर्माण, 1 हैड रेगूलेटर का नव निर्माण, 1 क्रोस रेगूलेटर का पुनर्निर्माण, 19 वी.आर.बी./डी.आर.बी. का पुननिर्माण, 3 रेलवे क्रॉसिंग ब्रिज का पुनर्निर्माण कार्य करवाया जाएगा। इन विकास कार्यों से हरिके बैराज में आने वाले अधिक पानी को फिरोजपुर फीडर में लाया जाएगा तथा इसका प्रत्यक्ष लाभ गंगनहर को होगा। इन पुनर्निर्माण कार्यों से गंगनहर के 3.14 लाख हैक्टेयर क्षेत्र के काश्तकार लाभान्वित होंगे तथा फसलों का उत्पादन भी बढ़ेगा।

शर्मा की पहल पर बजट घोषणा वर्ष 2024-25 में फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। केन्द्रीय जल आयोग द्वारा इस कार्य की डीपीआर स्वीकृति दी गई। इस परियोजना की कुल लागत 647.62 करोड़ रुपये है। इसमें पंजाब राज्य की हिस्सेदारी 379.12 करोड़ रुपये एवं राजस्थान राज्य की हिस्सेदारी 268.50 करोड़ रुपये है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1925 में 5 दिसम्बर को स्व. महाराजा गंगा सिंह ने गंगनहर का शिलान्यास किया था। वर्ष 2025 में इस परियोजना के 100 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इससे फिरोजपुर फीडर की कुल पानी आहरण की क्षमता में वृद्धि होगी।

'जागरूक मतदाताः जनतंत्र का प्रहरी' विषय पर निर्वाचन आयोग करेगा निबंध प्रतियोगिता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आम नागरिकों, शिक्षकों, छात्रों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए "जागरूक मतदातारू जनतंत्र का प्रहरी" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। आयोग का उद्देश्य जनसामान्य में मतदान के महत्व, जिम्मेदार नागरिक की भूमिका तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के जागरुकता पक्षों को प्रसारित करना है।

प्रतियोगिता के लिए निर्धारित निबंध 500 से 800 शब्दों की सीमा में लिखा जाना आवश्यक है तथा निबंध की भाषा हिंदी निर्धारित की गई है। प्रतिभागी अपने निबंध ईमेल secsveep@gmail.com अथवा व्हाट्सएप नंबर 7568400401 के माध्यम से भेज सकते हैं। आयोग द्वारा प्राप्त सभी निबंधों का मूल्यांकन चयन समिति द्वारा किया जाएगा और उत्कृष्ट प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया जाएगा। निबंध भेजने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2025 निर्धारित की गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी इच्छुक प्रतिभागियों से निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी प्रविष्टियाँ भेजने का आग्रह किया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस जागरूकता अभियान का हिस्सा बन सकें।

आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर निगम अधिकारियों ने किया मरम्मत, टाइल रिप्लेसमेंट और सफाई व्यवस्था की तैयारियों का निरीक्षण'

जलमहल की पाल के सौन्दर्यकरण के लिये सक्रिय हुई निगम की टीम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर पर्यटन स्थलों एवं धार्मिक स्थलों की सफाई व्यवस्था एवं सौन्दर्यकरण के लिये टीमों द्वारा मिशन मोड पर कार्य किया जा रहा है। इंजीनियरिंग विंग ने मंगलवार को जल महल की पाल पर चल रहे मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवण वर्मा निरीक्षण के लिए मौके पर पहुंचे और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि पर्यटक सीजन एवं प्रवासी राजस्थानी दिवस के मध्यनजर शहर की खूबसूरती और व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। हाल ही में पर्यटक स्थलों एवं धार्मिक स्थल एवं अन्य स्थानों पर 100 से अधिक नये डस्टबिन लगाये गये है। 270 से अधिक कचरा डिपो को हटाकर उस स्थानों का सौन्दर्यकरण किया गया है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, अधीक्षण अभियंता किशनलाल मीणा, अधिशाषी अभियंता बहादुर सिंह और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पाल पर मरम्मत और रंग-रोगन कार्य जारी

जल महल की पाल पर वर्तमान में रंग-रोगन एवं रिपेयरिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। कुछ स्थानों पर जाली को बदला गया है। पाल के किनारों और दीवारों पर रंग-रोगन का कार्य चल रहा है। आसपास के क्षेत्र में सड़क व पैदल पथ की छोटी-मोटी मरम्मत भी की जा रही है। सफाई व्यवस्था को और मजबूत किया गया। उन्होंने बताया कि जल महल क्षेत्र में रोजाना बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

दिसंबर में 230 माइनर मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी प्रक्रिया शुरु

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य में दिसंबर माह में 230 माइनर मिनरल प्लॉटों की ई-नीलामी की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई हैं वहीं चालू वित्तीय वर्ष के आगामी तीन माहों में करीब 400 माइनर मिनरल प्लॉटों की ई-नीलामी का एक्शन प्लान बनाया गया है। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने यह जानकारी सचिवालय में मेजर और माइनर मिनरल ब्लॉकों और प्लॉटों की ई-नीलामी की समीक्षा बैठक के दौरान दी। उन्होंने कहा कि खान विभाग एक और खनिज खोज कार्य को गति दे रहा हैं वहीं फील्ड मशीनरी को और अधिक सक्रिय करते हुए प्लॉट डेलिनियेशन से लेकर ऑक्शन पूर्व तैयारियां मिशन मोड़ में पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख सचिव रविकान्त ने बताया कि विभाग द्वारा आगामी तीन माह का एक्शन प्लान बना लिया है और उसी के अनुसार एनआईबी जारी करने से लेकर ऑक्शन प्रक्रिया पूरी करने तक की पूर्व तैयारियां की जा रही है।

यूरिया आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु उर्वरक सप्लाई कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक

दिसंबर के प्रथम सप्ताह में प्रदेश में एक लाख 8 हजार मेट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। निदेशक, संचलन अभय कुमार शर्मा उर्वरक मंत्रालय भारत सरकार ने वीसी के माध्यम से और आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल ने सोमवार को प्रदेश में यूरिया की उपलब्धता एवं निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संबंधित सप्लाई कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में प्रदेश में उर्वरक सप्लाई कंपनियों को दिसंबर के प्रथम सप्ताह में 1 लाख 8 हजार मेट्रिक टन यूरिया आपूर्ति के निर्देश दिए।

बैठक में राज्य में आगामी कृषि सीज़न के लिए यूरिया की मांग, उपलब्ध स्टॉक, वितरण व्यवस्था तथा परिवहन से जुड़ी प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कृषि आयुक्त ने निर्देश दिया कि किसानों को समयबद्ध तरीके से पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कंपनी प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि आपूर्ति श्रृंखला में किसी भी प्रकार की रुकावट न आए यह सुनिश्चित किया जाए और जिला स्तर पर आवश्यक समन्वय बनाए रखा जाए। सुश्री गोपाल ने यह भी स्पष्ट किया कि यूरिया वितरण की निगरानी के लिए विभाग द्वारा नियमित समीक्षा की जा रही है तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त उपाय किए जाएंगे, जिससे किसी भी जिले में यूरिया कमी की स्थिति न बने। बैठक के दौरान कंपनी के प्रतिनिधियों ने विभाग को आश्वस्त किया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आपूर्ति जारी रहेगी। कृषि आयुक्त ने अंत में कहा कि राज्य के किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि-इनपुट उपलब्ध कराना विभाग की प्रतिबद्धता है और इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियों का सहयोग आवश्यक है।

बीसलपुर बांध में बने 7 नए रिकॉर्ड

132 दिनों से ओवरफ्लो है डैम, गेट खोलकर की गई निकासी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। इस साल बीसलपुर बांध ने 7 नए रिकॉर्ड बने। बांध से करीब 140 टीएमसी पानी छोड़ा गया। राजधानी जयपुर, अजमेर और टोंक की लाइफ लाइन बीसलपुर बांध की क्षमता 38.8 टीएमसी है। 22 साल में पहली बार ऐसा हुआ है, जब एक से बढ़कर एक रिकॉर्ड बने। इसी के साथ दिसम्बर महीने में भी बांध के गेट खोले गए और पानी की निकासी जारी है। 24 जुलाई को पानी की निकासी शुरू की गई और यह सिलसिला 132 दिनों से जारी है। खास बात यह है कि पानी नहीं होने के चलते कभी इस डैम को'सूखा बांध' नाम दिया गया था। लेकिन अब पानी इतना है कि इससे बीसलपुर बांध जैसे तीन बांध पूरे और एक बांध आधा भरा दिया जाए। जबकि ईसरदा बांध जैसे 14 बांध भर जाए।

किसानों का दर्द- नहर में नहीं छोड़ा गया पानी

अब उम्मीद है कि बीसलपुर बांध का गेट और नहर से पानी की निकासी भी एक साथ होने की संभावना है। टोंक जिले के किसानों का कहना है कि इस बार भारी मात्रा में पानी के बावजूद नहरों में अभी तक पानी नहीं छोड़ा गया है। यह बिल्कुल गलत है और किसानों को नहरों में पानी छोड़े जाने का इंतजार है।

साल 2019 में 64 दिन खुले थे गेट

अक्टूबर महीने के आखिरी सप्ताह में बारिश होने से बांध में फिर से पानी की आवक बढ़ गई थी। अक्टूबर महीने के अंत में भी भी बांध का एक गेट खोला गया था, जबकि आखिरी गेट को 21 अक्टूबर को बंद कर दिया था। करीब सप्ताह भर बाद ही फिर एक गेट खोल दिया गया। साल 2006 में 43.25, 2014 में 11.202, 2016 में 134.238, 2019 में 93.605, 2022 में 13.246, 2024 में 31.433 और इस साल 135 टीएमसी से ज्यादा पानी की निकासी बनास नदी में की गई है।

भजनलाल सरकार लागू करेगी नया सिस्टम

सरकारी हॉस्पिटल में इलाज के बाद मरीजों से लिया जाएगा फीडबैक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भजनलाल सरकार अब हॉस्पिटल में फीडबैक सिस्टम लागू करेगी। प्रदेश के सभी हॉस्पिटल में यह व्यवस्था होगी, जहां रोगियों और उनके परिजनों से सुझाव लिए जाएंगे। इन्हीं फीडबैक के आधार पर स्वास्थ्य सुविधाओं में व्यापक सुधार किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग में प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ ने जेके लोन अस्पताल के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए। व्यवस्था लागू होने के बाद अस्पतालों में आने वाले रोगी और उनके परिजन वहां मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर फीडबैक दे सकेंगे। इसके आधार पर अस्पताल प्रशासन आवश्यक सुधार कर व्यवस्थाओं को 'पेशेंट फ्रेंडली' बनाएगा।

सर्वाइवल रेट और बेहतर करें

साथ ही, आईसीयू और सुपर स्पेशलिटी में आने वाले गंभीर रोगियों की सर्वाइवल रेट को उच्चतम स्तर पर ले जाने पर जोर दिया जा रहा है। गायत्री राठौड़ ने जेके लोन अस्पताल के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में मानव संसाधन की स्थिति, विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और कार्यक्रमों के संचालन की स्थिति, जांच, दवा एवं उपचार की व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। साथ ही सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

नियमित तौर पर होगी मॉनिटरिंग

प्रमुख शासन सचिव का कहना है कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ एवं सुगम बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। अस्पतालों में व्यवस्थाएं पेशेंट फ्रेंडली हो, ताकि रोगियों एवं उनके परिजनों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। इसी सोच के साथ पहले चरण में मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में फीडबैक सिस्टम अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे रोगियों और परिजनों को अस्पतालों में आने वाली कठिनाइयों की वास्तविक जानकारी मिल सकेगी. इस सिस्टम की नियमित तौर पर मॉनिटरिंग भी की जाएगी।

बाहर से नहीं लानी पड़े दवा- राठौड़

शासन सचिव गायत्री राठौड़ के मुताबिक, सरकार का जोर इस बात पर भी है कि किसी भी रोगी को बाहर से कोई दवा या दूसरा कोई सामान नहीं लाना पड़े। उन्होंने पीआईसीयू, एनआईसीयू, सामान्य वार्ड, कैथ लेब, सीटीवीएस इकाई, दवा काउंटर, मां योजना के पंजीकरण केंद्र सहित अलग-अलग काउन्टर का जायजा भी लिया। इस दौरान निर्देश दिए कि सरकार प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह निःशुल्क उपचार उपलब्ध करवा रही है, इसलिए यह ध्यान रखा जाए कि मरीजों को सभी दवाएं अस्पताल से ही उपलब्ध हों।

जयपुर डिस्कॉम के चार और सर्किल हुए डिफेक्टिव मीटर मुक्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर विद्युत वितरण निगम के चार और सर्किल अब डिफेक्टिव मीटर मुक्त हो गए हैं। कोटपूतली, सवाई माधोपुर, भिवाड़ी और भरतपुर सर्किल ने 1 दिसम्बर, 2025 की स्थिति में अपने सभी सिंगल फेज शहरी एवं ग्रामीण तथा थ्री फेज (गैर कृषि) उपभोक्ताओं के खराब विद्युत मीटर बदलने में कामयाबी हासिल की है।

ऊर्जा मंत्री श्री हीरा लाल नागर ने मंगलवार को विद्युत भवन में इन चारों सर्किलों के अधीक्षण अभियन्ताओं को शून्य डिफेक्टिव मीटर सर्किल के प्रमाण पत्र सौंपे। उन्होंने अधीक्षण अभियन्ताओं को इस संबंध में किए गए प्रयासों के लिए बधाई दी। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा अजिताभ शर्मा, चेयरमैन राजस्थान डिस्कॉम्स आरती डोगरा भी उपस्थित थी। उल्लेखनीय है कि निगम के 18 सर्किलों में से अब 13 सर्किल ऐसे हो गए हैं जिन्होंने विद्युत उपभोक्ताओं के खराब मीटर बदलकर उनके स्थान पर नए कार्यशील मीटर लगा दिए हैं।

सम्पादकीय

प्रदूषण, शब्दों से नहीं-करना होगा जमीनी काम

दिल्ली ने बीते पूरे माह घुट-घुटकर सांस ली है। नवंबर के 24 दिनों में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 300 के ऊपर रहा यानी बहुत खराब और 3 दिन तो यह 400 के ऊपर चला गया मतलब गंभीर। महज तीन दिनों के लिए AQI 300 के नीचे आया, और वह भी हवाओं की बदौलत। ये आंकड़े देश की राजधानी में वायु प्रदूषण का हाल बयान कर देते हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का इस मामले को संज्ञान में लेना महत्वपूर्ण हो जाता है।

शीर्ष अदालत ने CAQM और NCR की स्टेट अथॉरिटीज को प्रदूषण से निपटने के लिए स्पष्ट, समयबद्ध और ऐसी योजना तैयार करने के लिए कहा है, जिस पर अमल किया जा सके। अदालत ने बिल्कुल ठीक कहा कि हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा जा सकता और समाधान विशेषज्ञों की तरफ से आना चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में हर साल दिवाली के बाद वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है और सर्दियों में हालात बद से ++ बदतर हो जाते हैं। लेकिन, इस बार तो राहत का कोई दिन मिला ही नहीं । सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पराली पर भी नहीं डाला जा सकता। और सबसे बड़ी बात है कि दोष इस सीजन दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं का हिस्सा 5% से भी कम रहा है। सरकार ने संसद में सोमवार को ही जानकारी दी कि पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 2022 की तुलना में 90% की कमी आई है।

खासकर दिल्ली-एनसीआर के केस में पराली जलाने को हमेशा से एक बड़ी समस्या के रूप में पेश किया गया है। लेकिन, SAFAR और IIT दिल्ली ने 2018 में जो इन्वेंट्री रिपोर्ट तैयार की थी, उसके मुताबिक राजधानी में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह वाहन हैं। SAFAR के मुताबिक, PM2.5 के लिए 41% ट्रांसपोर्ट और 21% धूल जिम्मेदार है, जो ज्यादातर कंस्ट्रक्शन साइट से उड़ती है । हालांकि यह रिपोर्ट भी पुरानी पड़ चुकी है, और एक्सपर्ट्स का कहना है कि नई स्टडी होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि पराली तो कवि के समय भी जलाई जा रही थी पर तब आसमान साफ और नीला था, और इस मुद्दे को राजनीति या अहं की लड़ाई न बनाएं। सरकारों के लिए संदेश है कि दोषारोपण के बजाय मिलकर काम करने की जरूरत है। वर्ल्ड बैंक की पिछले साल की एक रिपोर्ट चेताती है कि भारत की पूरी आबादी वायु प्रदूषण के खतरे में है। इसकी वजह से देश की GDP के 3% के बराबर नुकसान हा है। इससे लड़ने के लिए प्रभावी उपाय चाहिए, और वह भी पूरे देश में।

'देवताओं के द्वीप' नाम से मशहूर बाली द्वीप अपनी खूबसूरती, प्राकृतिक वैभव और सांस्कृतिक विरासत के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। बाली की 70 फीसदी आबादी हिंदू है, इसलिए कोई ताज्जुब नहीं कि भारतीय सैलानियों को यह गहरे अपनेपन का एहसास कराता है। हालांकि इंडोनेशिया में बहुसंख्यक आबादी मुस्लिम है, लेकिन बाली की बात करें तो यहाँ के अनेक मंदिर आपको

बाली, परदेस में जहां जीवंत होता है अपनेपन का एहसास

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मन्जू माहेश्वरी
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> अगर आप एडवेंचर को पसंद करते हैं, तो बेझिझक हिंद महासागर से घिरे बाली द्वीप चले जाइए। यहां हर पर्यटक के लिए पसंदीदा कुछ है- एडवेंचर,शांति और सुकून, विशाल और निर्मल समुद्र तट, लोक कला, ऐतिहासिक धरोहर, पार्टी लाइफ का आनंद सभी कुछ। बाली के आकर्षक समुद्र तट पर बिताया गया एक- एक लम्हा पूरी ज़िंदगी आपके साथ रहेगा!

बाली हिंद महासागर से घिरा है और प्रशांत महासागर के करीब है। देनपसार बाली की राजधानी है और यहां का सबसे बड़ा शहर भी। दिल्ली से बाली जाने के लिए कई फ्लाइट्स हैं। हनीमून कपल के लिए बेहद लोकप्रिय बाली द्वीप मनोरम समुद्र तटों, पारंपरिक संस्कृति, समृद्ध इतिहास, कला और शिल्प के लिए जाना जाता है। मजबूत हिंदू संस्कृति के कारण यहां अनेक हिंदू मंदिर हैं। ब्रह्मा, विष्णु, महेश और गणेश भारतीय देवताओं में प्रमुख हैं। यहां कुछ ऐसे स्थल और प्राकृतिक दृश्य हैं, जिन्हें आप ताउम्र याद रखेंगे। आकर्षक समुद्र तट मसलन कुटा, नुसा दुआ, नुसा पेनिडा, सेमिन्याक, क्रिस्टल बे वाटर स्पोर्ट्स के लिए मुफीद हैं। वाटर स्पोर्ट्स के शौकीन हैं तो स्नार्कलिंग, स्कूबा डाइविंग, रिवर राफ्टिंग अपनी मनपसंद एक्टिविटी जरूर करिए। बाली के आस-पास कोरल त्रिभुज क्षेत्र में कई अद्भुत समुद्री जीव पाए जाते हैं जाहिर है स्नार्कलिंग और स्कूबा डाइविंग का अनुभव बेहद खास हो जाता है।

नूसा पेनिडा की यात्रा में 40 मिनट की फेरी की सवारी आपको ऐसे समुद्र तटों पर ले जाएगी, जो सैलानियों की खास पसंद बन गए हैं। फेरी का यह सफर ऊपर डेक पर खुले आसमान के नीचे और भी रोमांटिक बन जाता है-पीछे वेग से छूटता पानी, दूर तक अथाह समंदर, दूर कहीं पहाड़, कहीं क्षितिज। आंखें और मन दोनों इतनी निर्मल और स्वच्छ छटा देखकर मंत्रमुग्ध रह जाएंगे। फेरी से निकलकर आपको बीच तक छोटी गाड़ी या कार ही ले जाएगी। क्लिंगकिंग बीच (टी-रेक्स आकार की चट्टानें) क्रिस्टल क्लियर पानी के लिए शानदार स्पॉट है। कुछ ही दूरी पर एंजेल्स बिलबाग्न प्राकृतिक चट्टानों के बीच इंफिनिटी पूल है। केवल 5 मिनट की दूरी पर ब्रोकन बीच है, जहां अद्भुत तस्वीरें ले सकते हैं। गोलाकार आकार में समंदर कटा हुआ है। हरे, नीले रंग के कई शेड्स में पानी इतनाशानदार नजारा पेश करता है कि नजरें ठहर जाती हैं। लोविना बीच डॉल्फिन देखने के लिए बड़ा आकर्षण है। एकदम शांत और कम भीड़भाड़ वाला समुद्र तट। यहां की रेत काली है। बाली से जुड़ा इंस्टाग्राम स्पॉट है-बाली स्विंग। यहां कई अलग-अलग तरह के झूले, घोंसले और फोटो स्पॉट सजे हैं, जिनसे ऊंचाई पर पींगे लेकर सघन हरियाली, चावल के खेत, नीचे खाई में पानी नजर आता है। इसमें आपको सुरक्षा बेल्ट बांधी जाती है ताकि कोई जोखिम न रहे। एडवेंचर का एहसास लेना है तो यहां जरूर आएं। किराए पर ड्रेस लेकर हनीमून कपल अपनी यादगार फोटो यहां लेते हैं।

हन्डारा गेट एक ऐतिहासिक दरवाजा है, जो यहां का फोटो स्पॉट है। बाली मे कई ज्वालामुखी हैं, इनमें माउंट बटूर ट्रैकिंग के लिए लोकप्रिय है। अगर आप ट्रैकिंग के शौकीन हैं, तो 11 किलोमीटर की सीधी चढ़ाई के बाद आप यहां पहुंच सकते हैं। यहां से सूर्योदय का मनमोहक नजारा दिखता है। उत्तरी और पूर्वी तटों पर कई छिपे झरने हैं, जो भीड़ से दूर प्रकृति की गोद में ले जाते हैं। टेन्गुनगन वॉटरफॉल का मस्त नजारा देखते ही बनता है। अंगुग राय कला संग्रहालय, उबुद पैलेस जैसे कई स्थान हैं, जो यहां की कला संस्कृति से रूबरू कराते हैं। पूरे रास्तों पर धान के खेत नजर आते हैं। कॉफी प्लांटेशन की भी पूरी प्रक्रिया देखी जा सकती है। मरीन पार्क में आप जंगल सफारी का आनंद ले सकते हैं। यहां नाइट सफारी भी उपलब्ध है। मंदिरों की बात करें तो गरुड़ विष्णु केनकाना में गरुड़ पर विष्णु की प्रतिमा दुनिया की ऊंचाई पर लगी चौथी मूर्ति है। तक़रीबन 400 फीट लम्बी यह इंडोनेशिया की सबसे ऊँची प्रतिमा है और दुनिया में विष्णु की सबसे ऊँची प्रतिमा भी। यहां तक जाने का रास्ता सुंदर आकार वाली कलाकृतियों, चट्टानों और हरियाली से भरपूर है। पूरे रास्ते आप कैमरा क्लिक करते रह जाएंगे। उलून दानू मंदिर इतना शानदार है कि इंडोनेशिया के ?50000 के बैंक नोट पर भी अंकित है। यहां हिंदू और बौद्ध कला का सामंजस्य है। बेरतन झील के शांत पानी में मंदिर के पगोड़ा की छवि तैरती प्रतीत होती है, इसलिए इसे 'तिरता मंदिर' भी कहा जाता है। यहां बोट राइड हो सकती है। दानू यानी जल की देवी की प्रतिमा यहां स्थापित है। मंदिर के चारों ओर खूबसूरत बगीचे आंखों में बसा लेने का मन करता है। बहुत ही सुंदर ढंग से इन्हें सहेजा गया है।

तनाह लोट समुद्र में स्थित मंदिर है। शाम के समय सूर्यास्त का नजारा, वाह क्या कहने ! समंदर के पानी की ठंडी पुरवाई और ज्वार से ऊंची उठती लहरों के बीच मंदिर तक जाना एक अलौकिक एहसास है। यहां प्राचीन गुफा में पवित्र पानी है। पारंपरिक बाली वास्तु कला का प्रभाव मंदिर की बनावट में साफ झलकता है। क्लिफ पर स्थित मंदिर है उलुवातू। चट्टानों पर बने इस मंदिर की गोद में केचक फायर डांस शो (रामायण आधारित नृत्य नाटिका) को देखना एक सुखद अनुभव है। विदेशी धरती पर इसे देखकर हमारी समृद्ध संस्कृति पर गर्व हो उठता है। कई मंदिरों में लुंगी और कमर पर पट्टा लगाने के बाद ही जाने की अनुमति मिलती है, जो यहाँ उपलब्ध होते हैं। यहां के मंदिर प्रार्थना स्थल हैं, जहां मेडिटेशन किया जाता है। बाली के लोग अपने पूर्वजों का बेहद सम्मान करते हैं। हर घर के बाहर बांस जैसा एक स्तंभ लगा होता है, जिसमें छोटी-सी मंदिरनुमा जगह होती है। यहां पूर्वजों के लिए खाने-पीने की हर सामग्री रखी जाती है। यहां इंडोनेशिया रुपया ही चलता है। जगह-जगह आपको करेंसी चेंजिंग दुकानें मिल जाएंगी। दूध यहां सहजता से उपलब्ध नहीं है, इसलिए चाय- कॉफी के शौकीन अपना इंतजाम साथ में लें।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सफर से नही, मोड़ से जिन्दगी की कहानी बनती है...

जिन्दगी के मोड हमें विनम्र बनाकर समय की कद्र करना सिखाता है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

विवेक वैश्णव
पत्रकार
@jagrukjanta.net

अक्सर हम चाहते हैं कि हमारी जिंदगी की सड़क एकदम सीधी और साफ हो और वो भी बिना किसी रुकावट और परेशानी के। लेकिन इस मानवीय स्वार्थ और स्वभाव के विपरीत जाकर जरा सोचिए, अगर सड़क एकदम सीधी होगी तो सफर कितना बोरिंग हो जाएगा? सीधे रास्तों पर चलने के लिए किसी खास कौशल की जरूरत भी नहीं होती है। अगर हर दिन एक जैसा हो तो हम मशीनों की तरह जीने लगेंगे। अगर जिंदगी एक ही ढर्रे पर चलती रहे तो हम ऑटो पायलट मोड में चले जाते हैं। सीधी रेखा का नाम जिन्दगी नही है यही इसकी सबसे बड़ी खूबसूरती भी है। सीधी सड़कें अक्सर अच्छे ड्राइवरों को भी सुला देती हैं लेकिन टेढ़े-मेढ़े रास्ते उन्हें जगाए रखते हैं और मंजिल तक सुरक्षित पहुँचाते हैं।

''टर्न'' (मोड़) हमारी जीवन रूपी यात्रा का सबसे अनिवार्य हिस्सा हैं। मोड़ सिर्फ रास्ता बदलने का नाम नहीं है बल्कि यह बदलाव, चुनौती और नए अवसरों का प्रतीक है। हर मोड़ हमें एक नया सबक सिखाता है। ''टर्न'' या मोड़ केवल रास्ते नहीं बदलते बल्कि वे हमारी मंजिल और हमारे व्यक्तित्व को भी बदल देते हैं। हमारी पसंद से लिए गए मोड हों या फिर वे अनचाहे हों, लेकिन ये मोड़ ही हमारी जिन्दगी की कहानी को दिलचस्प बनाते है। जिंदगी में आया एक अचानक मोड़ भी हमें उस रास्ते पर डाल देता है जहाँ हमें असल में होना चाहिए था। कभी कभी हम सोचते हैं कि हमें ''ए'' से ''बी'' पर जाना है लेकिन इसी बीच में एक अनचाहा मोड़ हमें ''सी'' पर ले जाता है, जो ''बी'' से कहीं ज्यादा बेहतर एवं खूबसूरत होता है। कई बार गलत लगने वाले मोड़ भी हमें सही मंजिल तक पहुँचा देते हैं।

सड़क पर टर्न हमें संभलने एवं अपनी रफ्तार को धीमी करने के संकेत देते है। ठीक ऐसे ही जिंदगी भी कभी कभी हमें धीमे होने का संकेत देती है। जिन्दगी की भागमभाग में हम अपने, अपने परिवार या अपनी सेहत को नजरअंदाज कर शायद हम बहुत तेजी से भाग रहे है और कोई छोटी असफलता या बीमारी के रूप में आया एक टर्न हमें संभलने और सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम सही दिशा में भाग रहे हैं? जिंदगी में आने वाले मोड़ हमें चौंकाते हैं और हमारी दिनचर्या में हलचल पैदा करते हैं। जिंदगी में जब कोई कठिन मोड़ आता है तभी तो हमें अपनी असली ताकत और धैर्य का पता चलता है। मुसीबतें यह नहीं बतातीं कि हम कितने कमजोर हैं बल्कि यह दिखाती हैं कि हम जितना सोचते थे, उससे कहीं ज्यादा मजबूत हैं। यह बदलाव ही हमें महसूस कराता है कि हम सिर्फ सांस नहीं ले रहे है बल्कि जिन्दगी को ''जी'' रहे हैं। जब सब कुछ हमारी योजना के अनुसार चलता है तो हमें लगता है कि जिंदगी के मालिक हम ही हैं। लेकिन अचानक आया एक मोड़ हमें याद दिलाता है कि नियंत्रण हमेशा हमारे हाथ में नहीं होता। जिन्दगी के मोड हमें विनम्र बनाता है और समय की कद्र करना सिखाता है।

जिंदगी के हाइवे पर ''टर्न'' से डरना नहीं चाहिए। सीधे रास्ते सिर्फ दूरी तय करने के लिए होते हैं लेकिन असली रोमांच और यादें मोड़ों पर ही बनती हैं। जिंदगी के टर्न हमें चीजों को देखने का एक नया नजरिया देते हैं। जो समस्या कल पहाड़ जैसी लगती थी लेकिन एक नए मोड़ के बाद वही समस्या छोटी लगने लगती है। अनुभव का दायरा इन्हीं मोड़ों से बढ़ता है। अगली बार जब जिंदगी आपकी स्टीयरिंग को किसी अनजान दिशा में घुमाए तो घबराएं नहीं। मजबूती से थामें और देखें कि यह नया रास्ता आपको कौन से खूबसूरत नजारे दिखाने वाला है। जिंदगी के मोड़ से जैसे कार चलाते वक्त मोड़ आने पर हम गति धीमी करके सावधानी से आगे बढ़ते हैं, वैसे ही जिंदगी के मोड़ों पर धैर्य रखना चाहिए। हो सकता है कि अगला मोड़ आपको वहां ले जाए जिसके बारे में आपने सपने में भी नहीं सोचा था।

आखर आखर झरे उजियार

जानिए, चिरप्रसन्नता का रहस्य

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

समय के सतत प्रवाह का नाम जीवन है। नदी के किनारे बैठ यदि हम बहते पानी को देखें तो यही नज़र आता है कि जो पानी बह गया, वो बह गया। वो लौट कर नहीं आता। इसी तरह समय का प्रवाह है, जो बीत गया सो बीत गया। बीत गई सो बात गई। परिवर्तनशील समय या कहें पल प्रतिपल के बहाव को साक्षी होकर देखते हैं तो पाते हैं कि जो पल हमें मानवीय बनाते हैं, सब के हितसाधन और लोगों के प्रति संवेदनशील बनाते हैं, वो पल ही सचमुच सत्यम शिवम सुन्दरम की साधना के पल बन जाते हैं।

बाहरी सौंदर्य की बजाय

आंतरिक गुणों का सौन्दर्य ज्यादा महत्वपूर्ण होता है।दिखावे और आडम्बर की बजाय मनुष्य की गहराई में वास्तविक आकर्षण होता है। सदाशयता और सेवा के मौलिक गुण ही चिर प्रसन्नता का रहस्य है। अपने मन के सुकून और घर की सुख शांति के लिए क्या उपाय सम्भव हैं, इसके लिए कुछ सुझावों पर यहां गौर किया जा सकता है।

समय का सदुपयोग

दरअसल हम समय की क़ीमत नहीं समझते। अनावश्यक, निरर्थक और अनुत्पादक कार्यों में समय जाया करते रहते हैं। एकांत में बैठ कर सोचें कि समय वो संपदा है, जो खर्च हो जाने पर वापिस प्राप्त नहीं होती। इसे बड़ी बुद्धिमत्ता के साथ खर्च करना चाहिए। आज हर सदस्य अधिकतम समय मोबाइल को दे रहा है। दूरदराज़ गांव शहर या विदेश में बसे दोस्त से लम्बी चेटिंग हो जाती है, लेकिन पड़ोसी या परिजन से संवाद तक नहीं हो पाता। यह स्थिति ठीक नहीं है। इसके लिए ज़रूरी है कि मोबाइल के लिए समय सीमित कर दिया जाय।चौबीस घण्टों में कुछ समय के लिए मोबाइल से दूरी तय कर ली जाय ताकि संवादशून्यता समाप्त हो सके। सहकर्मी, परिजनों और मित्रों से बातचीत सम्भव हो सके।

जीवन के प्रति निष्ठा

यह जीवन हमें यूँ ही गंवाने के लिए नहीं मिला। जिन्दगी में हमें कुछ सृजनात्मक कार्य कर लेना चाहिए। जीवन को सँवारने और निखारने की जिम्मेदारी है। अपने स्वधर्म, परिजनों और मित्रों के प्रति हमें जिम्मेदार और वफादार होना चाहिए। हमारा हर कार्य समाज और देश हितार्थ होना चाहिए। एक भरोसेमन्द नागरिक के नाते हमें सामाजिक सेवा में यथेष्ट योगदान करते रहना चाहिए। परिवार, समाज और देश की ओर से अपेक्षित जिम्मेदारी पर हमें सदैव खरा उतरना चाहिए।

आत्मनियन्त्रण

जीवन में खुशियां हासिल करने के लिए ज़रूरी है, आत्म नियन्त्रण। आज सूचना प्रौद्योगिकी के युग में हमारे दिमाग विपुल मात्रा में सूचनाओं के भार से बोझिल होते जा रहें हैं। मन विचारों के शोरगुल में खोया रहता है। इसके लिए ठहराव ज़रूरी है। कम से कम सुबह शाम बीस बीस मिनट का ध्यान अवश्य करना चाहिए। धन और सफलता पाने के लिए इंसान इतना लालायित है कि उसे अपने अस्तित्व का ख्याल ही नहीं आता।जीवन के प्रयोजन के बारे में वो सोच ही नहीं पाता। मेरा मानना है कि हर व्यक्ति को घर के बुजुर्गों के पास बैठ कर कुछ समय बिताना चाहिए। साथ ही फुर्सत में कोई ऐसी किताब पढ़ने की आदत डाल देनी चाहिए, जिससे जीवन को सही दिशा मिलती रहे।

ओपिनियन

भजन क्लबिंग : नई पीढ़ी में भक्ति का नया ट्रेंड

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नविता
समाजविद्
@jagrukjanta.net

भजन क्लबिंग एक उभरता हुआ सांस्कृतिक ट्रेंड है जिसमें युवा पीढ़ी (Gen Z) पारंपरिक भजनों को आधुनिक संगीत और डांस-फ्लोर ऊर्जा के साथ जोड़कर एक नए अनुभव का निर्माण कर रही है।

आज के समय में युवाओं की संगीत और मनोरंजन की पसंद तेजी से बदल रही है। ऐसे में एक नया ट्रेंड सामने आया है जिसे भजन क्लबिंग कहा जा रहा है। इसमें पारंपरिक भक्ति गीतों (भजनों) को इलेक्ट्रॉनिक बीट्स और डांस-फ्लोर की ऊर्जा के साथ मिलाया जाता है। यह ट्रेंड युवाओं को अपनी जड़ों से जुड़े रहने का एक नया और आकर्षक तरीका प्रदान करता है।

भजन क्लबिंग की विशेषताएं

आधुनिक मिश्रण

- **भक्ति + इलेक्ट्रॉनिक बीट्स:** पारंपरिक भजनों की धुनों को आधुनिक बीट्स, जैसे EDM या हिप-हॉप के साथ मिलाया जाता है।
- **साउंडट्रैक:** संगीत में नए इंस्ट्रुमेंट्स और प्रोडक्शन तकनीक का प्रयोग।

ऊर्जावान माहौल

- **डांस-फ्लोर संस्कृति:** पारंपरिक भजन संध्या के विपरीत, यहाँ लोग नाचते हैं, झूमते हैं।
- **समूह अनुभव :** सामूहिक आनंद और एकता की भावना।

सोशल मीडिया का प्रभाव

- **वायरल वीडियो:** सोशल मीडिया पर तेजी से फैलते वीडियो।

मानसिक स्वास्थ्य और तनाव से राहत–

- **आध्यात्मिक जुड़ाव:** युवाओं को अपनी धार्मिक जड़ों से जुड़ने का नया तरीका।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

भजन क्लबिंग युवाओं को एक सकारात्मक और सामाजिक रूप से जुड़ने का मंच देती है। यह ट्रेंड दर्शाता है कि नई पीढ़ी अपनी परंपराओं को आधुनिकता के साथ संतुलित करना चाहती है।

चुनौतियाँ और भविष्य

- **विरोधाभास :** कुछ परंपरावादी वर्ग इसे भक्ति की अनादर के रूप में देख सकते हैं।
- **संतुलन :** सही संतुलन बनाए रखना ताकि भक्ति का मूल भाव संरक्षित रहे।

भविष्य में यह देखना दिलचस्प होगा कि कैसे यह ट्रेंड विकसित होता है और क्या यह केवल एक फैशन बनकर रह जाता है या वास्तव में एक स्थायी सांस्कृतिक बदलाव लाता है।

भजन क्लबिंग युवाओं के लिए एक अनोखा और सकारात्मक अनुभव है, जो उन्हें अपनी आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ता है, साथ ही आधुनिक जीवनशैली के साथ तालमेल बिठाने में मदद करता है।

जब प्रयास नहीं, प्रवाह जीवन बदलता है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

संदीप पारीक
समाजविदेंद
@jagrukjanta.net

मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यही है कि वह हर काम को बहुत मेहनत, बहुत तनाव और बहुत दबाव के साथ करने को ही सफलता मान लेता है। हम मान लेते हैं कि जितना अधिक हम खुद को धकेलेंगे, उतना ही जीवन में आगे बढ़ेंगे। पर सच्चाई यह है कि अत्यधिक दबाव मन की शक्ति को कम करता है, ध्यान को बिखेरता है और रचनात्मकता को मार देता है। जिस व्यक्ति का मन भारी हो जाता है, वह स्थिति पर पकड़ तो चाहता है, पर पकड़ ढीली ही पड़ती जाती है।

कभी आपने शेर को शिकार करते देखा है? वह दौड़ते हुए नहीं थकता, वह धीरज से चलता है। वह तनाव में नहीं रहता, वह सजग रहता है। उसकी चाल में एक शांत आक्रामकता होती है, एक ऐसी शांति जो ऊर्जा को क्षीण नहीं होने देती। यह शांत शक्ति ही उसकी जीत का रहस्य है। मनुष्य भी तभी अपने चरम क्षमता पर काम करता है, जब वह शांत बने रहते हुए तीव्र मानसिक ऊर्जा में होता है। इसी को हम प्रवाह की अवस्था यानी फ्लो स्टेट कहते हैं। जब मन पर दबाव होता है, तो

विचार एक दूसरे से टकराने लगते हैं। निर्णय अस्पष्ट हो जाते हैं। शरीर थक जाता है, और कार्य बोझ जैसा लगने लगता है। यह अवस्था हमें लक्ष्य से दूर ले जाती है। हम जितना धक्का देते हैं, मन उतना ही थककर बैठ जाता है। यह विडंबना है कि जो व्यक्ति बड़ी उपलब्धियों का स्वप्न देखता है, यदि वह यही सोचता रहे कि "ज्यादा दबाव से ही बड़े काम होते हैं", तो वह अपनी राह स्वयं कठिन बना लेता है।

सच्ची सफलता का आधार दबाव नहीं, बल्कि स्पष्टता है। और स्पष्टता तभी आती है जब मन शांत हो। जब मन के भीतर अनावश्यक हलचल कम हो जाती है, तब सोच गहरी होती है। तब निर्णय सहज आते हैं। तब बड़ी समस्याएं भी एक सुलझी हुई दृष्टि से देखी जाती हैं। कार्य जितना भी कठिन हो, यदि मन शांत है, तो वह बोझ नहीं लगता। लेकिन यदि मन उलझा है, तो साधारण काम भी पर्वत जैसा लगने लगता है।

सहजता किसी आलस्य का नाम नहीं है। सहजता वह अवस्था है जहां मन पूरी तरह उपस्थित रहता है, बिना किसी दबाव के। काम वही है, लक्ष्य वही है, रास्ता वही है पर करने का ढंग बदल जाता है। जैसे जल बहता है बिना शोर, बिना संघर्ष, पर अपनी क्षमता से पत्थरों को काटता हुआ आगे बढ़ता है। जब हम प्रयास करते हैं, तो मन भारी होता है। पर जब हम प्रवाह में होते हैं, तो मन हल्का हो जाता है। और हल्का मन ही रचनात्मक होता है। हल्का मन ही जटिल स्थितियों में भी नए रास्ते खोजता है। हल्का मन ही सीखता है, समझता है और जीवन के अनिश्चित समय में भी स्थिर रह सकता है।

यह प्रवाह की अवस्था यूं ही नहीं आती, इसके तीन आधार हैं। पहला, शरीर को धीमी और गहरी सांसों से संतुलित करना। दूसरा, मन को केवल उसी क्षण में टिकाना जिसमें हम हैं और तीसरा, परिणाम की चिंता छोड़कर केवल कर्म को सम्मान देना। जब व्यक्ति इन तीनों का अभ्यास करता है, तब उसका काम बोझ नहीं, साधना बन जाता है। और जब काम साधना बन जाए, तब चिंता स्वतः ही समाप्त हो जाती है। समय के साथ आप पाएंगे कि वह काम जिसे कभी आप संघर्ष समझते थे, अब सहज हो गया है। वह तनाव जिसे आप अपरिहार्य मानते थे, अब गायब है। और वह रचनात्मकता जो कभी भीतर दब गई थी, अब उजागर हो रही है।

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 03/12/2025

सूर्योदय : 07:04 **सूर्यास्त :** 17:28 **चन्द्रोदय :** 15:53 **चन्द्रास्त :** 04:54 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना :** मार्गशीर्ष **पूर्णिमांत :** मार्गशीर्ष **सूर्य राशि :** वृश्चिक **चन्द्र राशि :** मेष **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** त्रयोदशी, 12:24 तक **वार :** बुधवार **द्रिक-वैदिक ऋतु :** हेमंत **द्रिक-वैदिक अयन :** दक्षिणायन **कलियुग :** 5126 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : भरणी, 17:56 तक
योग : परिघ, 16:49 तक
प्रथम करण : तैतिल, 12:24 तक
द्वितिय करण : गारा, 22:30 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:09 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:37 ए एम से
विजय मुहूर्त	01:55 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:21 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:24 पी एम से
अमृत काल	01:46 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:44 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	05:59 पी एम से
रवि योग	05:59 पी एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : शनि, चन्द्र
कुंभ चक्र: पश्चिम

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 07:03 - 08:21	उद्वेग	: 17:28 - 19:10
अमृत	: 08:21 - 09:39	शुभ	: 19:10 - 20:52
काल काल वेला	: 09:39 - 10:57	अमृत	: 20:52 - 22:34
शुभ	: 10:57 - 12:15	चर	: 22:34 - 00:16
रोग वार वेला	: 12:15 - 13:33	रोग	: 00:16 - 01:58
उद्वेग	: 13:33 - 14:51	काल	: 01:58 - 03:40
चर	: 14:51 - 16:10	लाभ	: 03:40 - 05:22
लाभ	: 16:10 - 17:28	उद्वेग	: 05:22 - 07:04

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज त्रयोदशी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

मार्गशीर्ष, शुक्ल, त्रयोदशी, 2082 बुधवार, 03 दिसम्बर - 09 दिसम्बर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कारोबार को लेकर मित्रों से सहायता ले सकते हैं। रुके हुये कार्य प्रारम्भ होंगे। छात्र पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बेरोजगारों को नौकरी मिल सकती है। मांगलिक उत्सव में आप सम्मिलित हो सकते हैं।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
कार्यक्षेत्र को लेकर मन में उत्साह की कमी देखने को मिलेगी। नजदीकी लोगों के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। आज आपको धैर्य और संयम के साथ अपने काम पर ध्यान देना चाहिये।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
कार्यक्षेत्र में आपको पदोन्नति मिल सकती है। सन्तान के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी। जीवनसाथी और बच्चों से आपको प्रेम और सम्मान दोनों ही प्राप्त होंगे। आपके विचारों से लोग प्रभावित रहेंगे।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा। सहकर्मियों की तुलना में प्रदर्शन विशेष और अच्छा रहेगा। बहूमूल्य वस्तु को खरीद सकते हैं। कच्चे माल के आयात-निर्यात में उत्तम धन लाभ हो सकता है।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे]
आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निजी समस्याओं का निराकरण होगा। कुछ कठिन काम आसानी से अचानक बनने से मन प्रसन्न होगा।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। किसी के उकसावे में आकर काम न करें। अन्य दिनों की अपेक्षा दिन कुछ कमजोर रहेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले बड़ों की राय अवश्य लें। भोग-विलास का भरपूर आनन्द उठायेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
आपके व्यक्तित्व में तीव्र आकर्षण रहेगा। इसके कारण आप लोकप्रिय रहेंगे। खर्च करने से पहले बजट का ध्यान अवश्य रखें। गले में खराश और बुखार जैसी समस्या हो सकती है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
कार्यक्षेत्र में आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ अनबन हो सकती है। लोग आपकी बातों को अत्यन्त गम्भीरता से लेंगे। विद्वान् लोगों से भेंट हो सकती है। शाम के समय मित्रों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
नयी परियोजनाओं में सफलता देर से मिलेगी। मानसिक स्थिति नकारात्मक हो सकती है। व्यर्थ में अपने शुभचिन्तकों पर सन्देह न करें। अधिक भागदौड़ से आपको बचना चाहिये।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
कारोबारी यात्राओं से आपको लाभ मिलेगा। दूसरों की बातों में आकर अपना समय बर्बाद न करें। रचनात्मक गतिविधियों में सुखद समय बीतेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
नये व्यावसायिक सम्पर्क विकसित होने के योग बन रहे हैं। आपके विनम्र व्यवहार से विपरीत लिंगी लोग आपसे आकर्षित रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

विभिन्न स्टेशनों पर 37 करोड़ की लागत से हो रहे प्लेटफॉर्म के विस्तार, ऊंचाई बढ़ाने और शेल्टर लगाने के कार्य

उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल के स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का हो रहा निरंतर उन्नयन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल के स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का निरंतर उन्नयन किया जा रहा है। स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म का विस्तार, प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने तथा प्लेटफॉर्म पर नए शेल्टर लगाने या शेल्टर के विस्तार का कार्य किया जा रहा है जिससे यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने,उतरने तथा ट्रेन की प्रतिक्षा करते समय सुविधा हो सकेगी।

पूजा मित्तल - वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर के अनुसार लंबी दूरी की गाड़ियों में डिब्बों की निरंतर बढ़ोतरी को देखते हुए प्लेटफॉर्म की लंबाई बढ़ाई जा रही है ताकि यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और उतरने में सुविधा हो सके। छोटे-बड़े सभी स्टेशनों पर रेल लेवल और मीडियम लेवल प्लेटफार्म की ऊंचाई बढ़ाकर उसे हाई लेवल किया जा रहा है ताकि बुजुर्गों, निःशक्तजनो और महिलाओं को ट्रेनों में चढ़ने और उतरने में आसानी हो सके। साथ की स्टेशनो के प्लेटफॉर्मों पर नए शेल्टर लगाने अथवा शेल्टर के विस्तार का कार्य भी किया जा रहा है। जयपुर मंडल पर लगभग 37 करोड रुपए की लागत से प्लेटफॉर्म शेल्टर लगाने के कार्य किए जा रहे हैं। जिनमें से जयपुर मंडल पर फुलेरा, किशनगढ़, कनकपुरा, आसलपुर-जोबनेर, नरैना, बोबास ,हिरनोदा, ढिंढा, दातड़ा, साली, तिलोनिया, बांदीकुई, दौसा, अरनिया, भांकरी, जटवाड़ा, झर, कानौता, सीकर, झुंझुनू, फतेहपुर शेखावाटी, चिड़ावा, सूरजगढ़, लक्ष्मणगढ़ सीकर, रतनशहर, डून्डलोद मुकन्दगढ़, पलसाना, अलवर, राजगढ़, खैरथल, बसवा, मालाखेड़ा, पडीसल, हरसौली, अजरका, गोलाना, खानपुर अहीर, मंजरी नांगल, सुरेरगोठ, ढेहर का बालाजी,चोमू सामोद, गेटोर जगतपुरा, गोविंदगढ़ मलिकपुर सहित 46 स्टेशनों पर 37 करोड़ रुपए की लागत से अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर लगाए जा रहे हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक रेल यात्रा प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

कनिष्ठ सहायक ने सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, जयपुर में कार्यभार ग्रहण किया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, जयपुर में नवनियुक्त कनिष्ठ सहायक मोहन लाल शर्मा ने कार्यालय के कनिष्ठ सहायक के रिक्त पद पर कार्यभार ग्रहण किया। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित लिपिक ग्रेड-II एवं कनिष्ठ सहायक भर्ती परीक्षा-2024 में सफल होने पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आदेशों की अनुपालना में उन्हें यहां पदस्थापित किया गया है। नवनियुक्त कर्मचारी को उप निदेशक हेमन्त सिंह, सहायक लेखाधिकारी-प्रथम राजेश भीमवाल, सहायक प्रशासनिक अधिकारी जितेन्द्र कुमार कसाना, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी नरेन्द्र सिंह शेखावत, सहायक प्रशासनिक अधिकारी विकाश हल्दुनिया, होमगार्ड आनन्द परसोया, कम्प्यूटर ऑपरेटर अनिल सैनी व मीना गुर्जर ने बधाई दी हैं।

विद्यार्थियों को वितरित की पाठ्यसामग्री व गर्म कपड़े, जूते

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान आदिवासी नवयुवक मंडल मीनावाला लावपुरा के द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालय संस्कृत स्कूल कनकपुरा में स्कूल में पढ़ने वाले सभी बच्चों को जूते वितरित किये मनोज खोड़ा लावपुरा ने बताया की यह काम पिछले 4 साल से किया जा रहा है सर्दियों में बच्चों को जूते एवं स्वेटर वितरित करने का काम किया जाता है, जिन बच्चों के पिता का साया उठ गया है उन बच्चों को इस स्कूल में पूरी साल ड्रेस, कॉपी किताब, जूते, स्वेटर एवं पूरी साल शिक्षा में काम आने वाली सभी जरूरत की चीज दिलवाते है, पिछले दिनों संस्कृत स्कूल SIR के सिलसिले में स्कूल आना जाना हुआ तो कुछ बच्चे नंगे पांव स्कूल में आए तो स्कूल प्रिंसिपल से इस बच्चों की जानकारी लेनी चाही तो पता चला कि इस स्कूल में पढ़ाई करने वाले बच्चों के बारे में पूछा तो बताया कि इस स्कूल में अधिकतर गरीब बच्चे पढ़ते हैं 80% बच्चों के माता पिता डेली दिहाड़ी करने वाले मजदूरों के बच्चे स्कूल में पढ़ते हैं इस समस्या को देख कर हमारी मित्र मंडली को समस्या बताई तो सभी मित्र मंडल के सदस्य लखन मीणा, राजेंद्र चौधरी, कमल मीणा, किशन बैंदाडा, चतुर्भुज खोडा, जेपी यादव, धर्मराज खोडा, कृष्ण, राजन खोडा, आनंद सिंह, कैलाश, योगेश, मुकेश ने मिलकर कनकपुरा सरकारी संस्कृत स्कूल के सभी बच्चों को जूते वितरित किए।

शर्मा ज्योतिष सिरोमनी सम्मान से सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वैदिक ज्योतिषी और केपी विशेषज्ञ इंजीनियर कुलदीप शर्मा को मुंबई ज्योतिष संघ के संस्थापक और सचिव शंकर मांझी द्वारा ज्योतिष सिरोमनी से सम्मानित किया गया। न्याय पर ज्योतिष का प्रभाव विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शर्मा ने अपना बहुमूल्य भाषण दिया कि कैसे शनि और बृहस्पति न्याय पर अपनी भूमिका निभाते हैं और कृष्णमूर्ति पद्धति किस प्रकार न्यायपालिका को चुनने के लिए व्यक्तिगत सही स्थिति के लिए काम करती है, ज्योतिष में उनके योगदान के लिए सभी आगंतुकों ने उनके भाषण के दौरान तालियाँ बजाईं।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में उमड़ा सैलानियों का सैलाब

सैलानियों ने किया शेर-बाघ का दीदार, लायन और टाइगर सफारी का लिया रोमांचक अनुभव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर का नाहरगढ़ जैविक उद्यान रविवार को पर्यटकों की भारी भीड़ से गुलजार रहा। सुहावने मौसम, अवकाश के उत्साह और प्राकृतिक सुंदरता के आकर्षण ने बड़ी संख्या में लोगों को उद्यान की ओर खींचा। एसीएफ देवेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि रविवार को कुल 2 हजार 316 पर्यटकों ने उद्यान पहुंचकर यहां के समृद्ध वन्यजीव संसार और प्राकृतिक जैव विविधता का नजदीकी अवलोकन किया। इनमें से लायन सफारी और टाइगर सफारी दिनभर भीड़ का मुख्य केंद्र बनी रही। वहीं, कुल 460 सैलानियों ने इन दोनों सफारियों का प्रत्यक्ष अनुभव लेते हुए शेर और बाघ के शक्तिशाली, चंचल और रोमांचकारी व्यवहार को करीब से देखा। बाघों की गगनभेदी गर्जना, शेरों के शाही तेवर और उनकी विशिष्ट चाल-ढाल ने पर्यटकों को रोमांच से भर दिया, जिसमें कई आगंतुकों ने इस अनुभव को जीवन का यादगार पल बताया। नाहरगढ़ जैविक उद्यान इन दिनों न केवल जयपुरवासियों बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पर्यटकों का पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरा है। इसका मुख्य कारण है वन विभाग द्वारा किया जा रहा सुरक्षित, सुव्यवस्थित और पर्यटक-हितैषी प्रबंधन। उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में पर्यटकों की सुरक्षा, सफाई, टिकटिंग, मार्गदर्शन, भीड़ नियंत्रण और सफारी संचालन पर विशेष ध्यान दिया गया। रविवार को एसीएफ श्री देवेंद्र सिंह राठौड़ और रेन्जर शुभम शर्मा ने दोनों सफारियों की सघन मॉनिटरिंग करते हुए संपूर्ण व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। रेन्ज अधिकारी शुभम शर्मा की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी रूटों की नियमित निगरानी, वाहनों की समयबद्ध उपलब्धता, टिकटिंग काउंटरों पर पारदर्शी व तेज सेवा, पर्यटकों को दिशा-निर्देश, पगडंडियों व पाथवे की स्वच्छता तथा भीड़ प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं को प्रभावी रूप से लागू किया गया, जिससे पर्यटकों का अनुभव और अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और आनंददायक रहा। वन विभाग की सतत निगरानी और उत्कृष्ट प्रबंधन के चलते नाहरगढ़ जैविक उद्यान आज राजस्थान के प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थलों में अग्रणी स्थान रखता है। यह स्थल न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण, प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा, पर्यावरण शिक्षा और जैव विविधता संरक्षण के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का एक जीवंत केंद्र भी बन चुका है।

खगोलीय घटनाओं को प्रत्यक्ष देख रोमांचित हुए दर्शक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग राजस्थान के सहयोग से अल्बर्ट हॉल परिसर में रात्रि आकाश-दर्शन (नाइट स्काई ऑब्ज़र्वेशन) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित खगोलविद गोविंद दाधीच एवं राहुल शर्मा ने विभिन्न खगोलीय पिंडों, ग्रहों, तारों एवं नक्षत्रों के वैज्ञानिक महत्व को सरल एवं रोचक रूप में समझाया। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के निदेशक डॉ. पंकज धरेन्द्र एवं संग्रहालय अधीक्षक महेन्द्र कुमार निम्हल के मार्गदर्शन में एस्ट्रो नाइट स्काई ट्यूरिज्म कार्यक्रम आयोजित किया गया। शाम होते ही बड़ी संख्या में शहरवासियों एवं अल्बर्ट हॉल में आए दर्शकों ने उच्च क्षमता वाले दूरबीनों (टेलीस्कोप) के माध्यम से चंद्रमा (Moon), शनि ग्रह (Saturn) तथा उसके सुंदर उपग्रहों का अद्भुत दृश्य देखा। साथ ही प्रतिभागियों ने तारों एवं विभिन्न नक्षत्रों की पहचान करना भी सीखा। यह कार्यक्रम न केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा को बढ़ाने वाला रहा, बल्कि जयपुर के नागरिकों के लिए एक यादगार खगोलीय अनुभव भी बना। विभाग द्वारा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे आम जनता को विज्ञान एवं अंतरिक्ष के प्रति जागरूक किया जा सके।

विद्यार्थियों ने रैली निकालकर दिया नशा-मुक्त समाज का संदेश

बियानी कॉलेज ऑफ़ साइंस एंड मैनेजमेंट में एनएसएस कैंप का शुभारंभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी कॉलेज ऑफ़ साइंस एंड मैनेजमेंट में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ उत्साह, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता के साथ हुआ। शिविर के प्रथम दिन की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई, जिसने पूरे कार्यक्रम के लिए शांत, सकारात्मक और गरिमापूर्ण वातावरण तैयार किया। प्रार्थना सभा के उपरांत एनएसएस इन-चार्ज डॉ. निखिल चतुर्वेदी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उनका स्वागत किया। उन्होंने शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एनएसएस युवाओं में सेवा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर कालवाड़ थाना के एएसआई बलवीर सिंह और नरेंद्र निठारवाल, कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. पिंकी सांखला भी उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में अतिथियों ने समाज सेवा के महत्व और युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को सामाजिक मुद्दों से सक्रिय रूप से जुड़ने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया। औपचारिक सत्र के बाद स्वयंसेवकों द्वारा कॉलेज परिसर से "ड्रग्स को ना कहें" जनजागरूकता रैली को हरी झंडी दी गई। यह रैली कालवाड़ गांव में निकाली गई। प्रतिभागियों ने विभिन्न नारों और संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रैली को प्रभावशाली बनाया।

प्रदेश की आबोहवा के मुरीद होते विदेशी मेहमान, रास आ रहा घाटी का माहौल

विदेशी पक्षी मेहमानों से गुलज़ार हुआ चंबल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

धौलपुर। जिले से गुजर रही चंबल नदी इन दोनों विदेशी पक्षी एवं जलीय जीवों से गुलजार हो रही है। सर्दी के मौसम में हजारों किलोमीटर का सफर तय कर विदेशी पक्षी मेहमान चंबल पर मछलियों का शिकार एवं प्रजनन करने पहुंच रहे है। इसके अलावा घड़ियाल, मगरमच्छ कछुआ एवं डॉल्फिन भी चंबल में विचरण कर रही है। धूप निकलते ही जलीय जीव चंबल के रेतीले घाटों पर चहल कदमी करते हुए निकल आते हैं।

सर्दी का सीजन शुरू होते ही चंबल में देश के कोने-कोने समेत विदेशों से पक्षी पहुंच रहे हैं। इन दिनों चंबल में Migratory birds,Indian spot-billed duck, Little tern, Ruddy shelduck, Painted stork आदि प्रजाति के पक्षी पहुंच रहे हैं। इन पक्षियों को चंबल का वातावरण काफी अच्छा लगता है। बताया जा रहा है, चंबल में मछलियों का शिकार करने के साथ प्रजनन करने के उद्देश्य से विदेशी पक्षी मेहमान पहुंचते हैं। अमूमन यह पक्षी शिकार करने में माहिर होते हैं। प्रजनन के बाद परिवार की वंश वृद्धि होने पर फरवरी महीने के बाद पलायन कर जाते हैं। विदेशी पक्षियों को देखने के लिए पर्यटक पहुंच रहे हैं। कैमरे एवं मोबाइल में सुंदर-सुंदर तस्वीर भी कैद कर रहे है।

घड़ियाल और मगरमच्छ भी कर रहे रोमांचित

घड़ियाल और मगरमच्छ की प्रजाति में भी भारी वंश वृद्धि चंबल में देखी जा रही है। करीब 3000 घड़ियाल एवं डेढ़ हजार के आसपास मगरमच्छ चंबल में मौजूद है। इनके अलावा 96 डॉल्फिन समेत भारी तादाद में कछुआ एवं अन्य जलीय जीव चंबल में डेरा डाले हुए हैं। धूप निकलने के बाद घड़ियाल उनके शावक एवं कछुओं के झुंड के झुंड चंबल के रेतीले टीलों पर चहल कदमी करने के लिए निकल आते हैं। घड़ियालों के नन्हें शावक चंबल के विभिन्न घाटों पर उछल कूद करते हुए देखे जा सकते हैं। हाल ही में घड़ियाल केंद्र देवरी द्वारा करीब 150 घड़ियाल शावको की परवरिश कर चंबल में रिलीज किया था।

चंबल का वातावरण जलीय जीवों के अनुकूल

पक्षी विशेषज्ञ मुन्ना लाल निषाद ने बताया चंबल नदी का वातावरण जलीय जीव एवं पक्षियों के लिए काफी अनुकूल माना जाता है। साफ सुथरी होने की वजह से चंबल नदी में जलीय जीव स्वस्थ रहते हैं। भोजन के लिए मछलियां एवं अन्य जीव जंतु भी उपलब्ध है। विदेशी पक्षी मेहमानों की बात की जाए तो प्रजनन एवं शिकार करने के उद्देश्य से चंबल पर पहुंचते हैं।

चंबल सफारी नहीं हुई शुरू

चंबल सफारी शुरू नहीं होने से पर्यटकों को निराशा हाथ लग रही है। जलीय जीवों का लुत्फ उठाने चंबल नदी पर देश के कोने-कोने से पर्यटक पहुंचते हैं। लेकिन इस बार चंबल सफारी शुरू नहीं होने से पर्यटक चंबल के अंदर घुसकर जलीय जीवों का लुत्फ उठाने से वंचित रह रहे है। उधर चंबल की दूसरी सीमा पर मध्य प्रदेश शासन ने मुरैना प्रशासन के सहयोग से चंबल सफारी शुरू कर दी है।

पुरानी आदत, मगर नया सवाल

Gain Guide

FD Fixed Deposit

क्या अब भी बेस्ट है?

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

एफडी! नाम तो सुना ही होगा? जाहिर है कि इसमें आप एक बार में कोई तय रकम, तय समय के लिए किसी बैंक या वित्तीय संस्था में जमा करते हैं और उस पर आपको गारंटीड, तय ब्याज मिलता है। लेकिन आज जब म्यूचुअल फंड, गोल्ड और नई-नई योजनाएं और भी ज्यादा रिटर्न का वादा करती है, सवाल उठता है कि क्या FD अब भी बेस्ट है? यदि हां, तो किसके लिए?

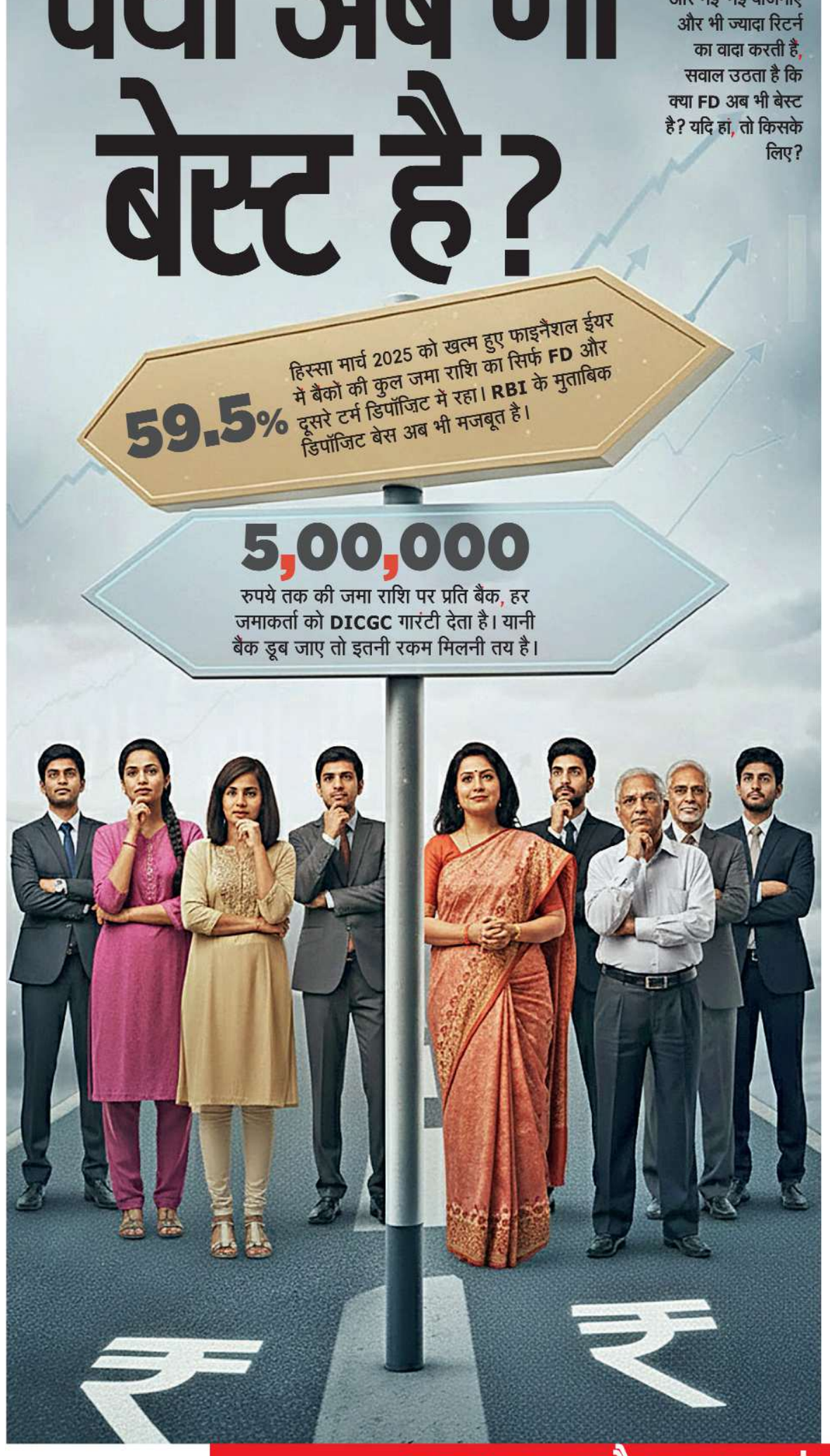

59.5% हिस्सा मार्च 2025 को खत्म हुए फाइनैंशल ईयर में बैंकों की कुल जमा राशि का सिर्फ FD और दूसरे टर्म डिपॉजिट में रहा। RBI के मुताबिक डिपॉजिट बेस अब भी मजबूत है।

5,00,000 रुपये तक की जमा राशि पर प्रति बैंक, हर जमाकर्ता को DICGC गारंटी देता है। यानी बैंक डूब जाए तो इतनी रकम मिलनी तय है।

फिक्स्ड डिपॉजिट यानी FD सेविंग अकाउंट से अधिक ब्याज देने वाली, मगर उतनी ही सुरक्षित मानी जाती है। इसमें आप खुद तय करते हैं कि कितने पैसे जमा करने हैं, कितने समय (टेन्योर) के लिए करने हैं, ब्याज कब लेना है, जैसे कि हर महीने/हर तिमाही या पूरा ब्याज मैच्योरिटी पर एक साथ। ब्याज दर इस बात पर निर्भर करती है कि आप कितने समय के लिए FD कर रहे हैं, क्योंकि अलग-अलग अवधि पर ब्याज अलग होता है। आप जितनी ज्यादा अवधि के लिए FD करते हैं, ब्याज ज्यादा मिलने की गुंजाइश उतनी ही अधिक होती है। FD अकाउंट आप ऑनलाइन या ऑफलाइन बैंक शाखा में जाकर आसानी से खोल सकते हैं।

काफी लुभाते हैं ये फायदे

- **निश्चित और भरोसेमंद रिटर्न:** FD में आपको पहले दिन ही पता होता है कि आपको कितना ब्याज मिलेगा। बाजार ऊपर-नीचे हो या अर्थव्यवस्था बदल जाए, पैसा पूरी तरह सुरक्षित होता है और ब्याज भी निश्चित।
- **कंपाउंडिंग:** FD में ब्याज पर भी ब्याज मिलता है। यानी इसमें कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। इससे आपकी जमा राशि समय के साथ तेजी से बढ़ती है और बड़ा कॉर्पस बन जाता है।

- **सीनियर सिटीजन को ज्यादा ब्याज:** 60 साल से ऊपर के लोगों को सामान्य ग्राहकों से अधिक ब्याज मिलता है। इससे उन्हें रिटायरमेंट के बाद स्थिर और बेहतर आय मिलती है।
- **अवधि चुनने की सुविधा:** आप चाहें तो 7 दिनों से लेकर कई वर्षों तक की अवधि चुन सकते हैं। इससे आप अपनी जरूरत और लक्ष्य के हिसाब से FD मैच कर सकते हैं।
- **ब्याज अवधि में भी मर्जी:** FD में ब्याज लेने के दो तरीके हैः हर महीने/हर तिमाही या अंत में मैच्योरिटी पर एक साथ। आप अपनी आय और जरूरत के अनुसार विकल्प चुन सकते हैं।
- **ऑटो-रिन्यूअल:** FD खत्म होते ही उसे दोबारा शुरू करने (renew) का विकल्प भी मिलता है। इससे आपको बैंक में फिर से प्रक्रिया पूरी नहीं करनी पड़ती और निवेश बिना रुकावट जारी रहता है।

तमाम विकल्प, फिर भी FD का जलवा

लोग पूछते है कि जब मार्केट में FD से बेहतर विकल्प है, तो फिर इतनी FD क्यों की जाती है? असल में FD करने वाला निवेशक इन सब चीजों पर ध्यान ही नहीं देता। उसके लिए सबसे जरूरी है सुरक्षा, भरोसा और यह अहसास कि उसका पैसा उसके बैंक में है। उसे सुकून मिलता है कि ब्याज दर पहले से तय है और कागज़ पर लिखी है।

- कार्तिक झवेरी, ***Transcend Capital** के फाउंडर और CEO*

FD किसे करना चाहिए?

जो लोग अपना पैसा सुरक्षित रखना चाहते हैं और तय ब्याज चाहते हैं, उनके लिए FD सही प्रॉडक्ट है। हालांकि, हर लक्ष्य के लिए FD सही नहीं हो सकता। यहां दो चीजें अहम हैः टाइम हॉरिजॉन यानी समय सीमा और रिस्क प्रोफाइल/असेट अलोकेशन यानी जोखिम उठाने की क्षमता और पोर्टफोलियो का मिश्रण।

समय सीमा

- **0-1 साल:** बहुत कम अवधि वाले लक्ष्य जैसे कि इमरजेंसी फंड, अगले 6-12 महीने के अंदर होने वाले खर्च (फीस, वेकेशन, स्मॉल रेनोवेशन) के लिए FD में पैसे रखना व्यावहारिक और सुरक्षित है, क्योंकि यहां मार्केट का जोखिम लेने का समय बहुत कम है और जरूरत पर पैसा मिल जाएगा।
- **1-3 साल:** मिड-टर्म गोल जैसे कार का डाउन पेमेंट, स्मॉल/मिडल फैमिली फंक्शन, 1–2 साल बाद की फीस आदि के लिए भी FD बहुत अच्छा विकल्प है, क्योंकि आपको पता है किस तारीख के आसपास पैसा चाहिए, आप कैपिटल प्रोटेक्शन (मूलधन की सुरक्षा) चाहते हैं।

रिस्क प्रोफाइल

कंजर्वेटिव निवेशक
जिन्हें बाजार का उतार-चढ़ाव पसंद नहीं, वे अपने पोर्टफोलियो का 50–70% तक FD में रख सकते हैं। बाकी हिस्सा डेट म्यूचुअल फंड, थोड़ी इक्विटी/हाइब्रिड फंड में, ताकि ग्रोथ भी आए।

बैलेंस्ड निवेशक
जो थोड़ा जोखिम मैनेज कर सकते हैं पर सुरक्षा भी चाहते हैं, ऐसे लोगों के लिए FD शानदार है। जैसे कि 40-50% FD/डेट और 50-60% इक्विटी/इक्विटी MF/हाइब्रिड में।

अग्रेसिव निवेशक
वैसे लोग जो लंबी अवधि (10-15 साल+) की सोचते हैं, उतार-चढ़ाव से घबराते नहीं और उनका लक्ष्य वेल्थ क्रिएशन है, उन्हें FD का हिस्सा सिर्फ 10-20% तक रखना चाहिए। बाकी पैसा इक्विटी, इक्विटी MF और अन्य ग्रोथ असेट्स में रखना चाहिए।

*नौकरी चली जाए, कारोबार ठप हो जाए, मेडिकल इमर्जेंसी आ जाए, अचानक बड़ा खर्च निकल आए, इमरजेंसी फंड ही काम आता है। **FD** बेहतर इमरजेंसी फंड बन सकती है। **FD** लॉक-इन में रहती है, लेकिन जरूरत पड़ने पर समय से पहले पैसा निकाल सकते है। हां, थोड़ी पेनल्टी लग सकती है। **FD** में पैसा आसानी से टूटता नहीं है, इसलिए यह अन्य खर्चों से बची भी रहती है।*

यह तरीका आज़माएं:
- कम से कम 3-6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड बनाएं।
- रकम को एक बड़ी FD में रखने के बजाय 2-3 FD में बांटें।
- बैंक चुनते समय DICGC बीमा, ब्याज दर और लिक्विडिटी देखें।
- इमरजेंसी के अलावा इस फंड को कभी न छुएं।

ज़्यादा फायदा और सुरक्षा कहां?

FD की सुविधा स्मॉल फाइनैंस बैंक से लेकर पोस्ट ऑफिस तक में मिलती है। अलग-अलग जगहों पर ब्याज दरें, सुविधाएं या शर्तें अलग हो सकती हैं, इसलिए FD करते समय यह तुलना जरूर करनी चाहिए।

स्मॉल फाइनैंस बैंक
SFB जैसे कि AU SFB, Equitas, Ujjivan, Jana आदि में भी आप FD कर सकते हैं। आम तौर पर इनकी ब्याज दर ज्यादा (7-9% तक) होती है। इनमे 5 लाख तक डिपॉजिट इंश्योरेंस ऐंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (DICGC) की गारंटी भी है। हालांकि इनकी शाखाएं कम होती हैं और ATM नेटवर्क भी काफी सीमित होता है।

पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट (POTD)
यह सरकार द्वारा 100% सॉवरेन गारंटी वाला निवेश है। कह सकते है कि यह सबसे ज्यादा सुरक्षित FD है। ग्रामीण और छोटे शहरो मे भी पहुंच है। हालांकि ब्याज दरें अन्य से कम हो सकती है। बैंक FD की तरह यहां आसान प्रीमैच्योर विकल्प नही होता। यानी लॉक-इन की वजह से लिक्विडिटी थोड़ी कठिन होती है।

कंपनी
कॉरपोरेट/NBFC जैसे बजाज फाइनैंस, महिंद्रा फाइनैंस, श्रीराम फाइनैंस आदि भी FD की सुविधा देते हैं। यहां भी ऊंची ब्याज दरें (8-10% तक) मिल सकती हैं। कई संस्थाएं वरिष्ठ नागरिको को अतिरिक्त ब्याज देती है। हालांकि यहां जोखिम है, क्योंकि DICGC बीमा नही मिलता। यानी कंपनी डूबी तो पैसा फंस सकता है।

PSU और प्राइवेट बैंक
सरकारी और निजी बैंक, जैसे SBI, PNB, HDFC, ICICI में FD करना आसान है। ये भरोसेमंद और बड़े संस्थान है, जहां DICGC बीमा 5 लाख तक है। शाखाएं अधिक है और ऑनलाइन सुविधाएं बेहतर होती है। हालांकि ब्याज दरें 5.5-7% के आसपास ही रहती हैं।

FD में ज्यादा फायदे के लिए क्या स्ट्रैटजी अपनाएं? ▸▸देखें पेज 2

स्थानीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में राजनैतिक आरक्षण को लेकर ओबीसी आयोग ने किया जनसंवाद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्थानीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में राजनैतिक प्रतिनिधित्व को लेकर राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग ने मंगलवार को जिला परिषद् सभागार में संभाग स्तरीय जनसंवाद एवं परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया।आयोग की जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि कार्यक्रम में आयोग के माननीय अध्यक्ष सेवानिवृत न्यायाधीश मदन लाल भाटी एवं सदस्यों गोपाल कृष्ण, प्रो. राजीव सक्सेना, मोहन मोरवाल, पवन मंडाविया व सचिव अशोक कुमार जैन ने जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों, नागरिक संस्थाओं से जनसंवाद किया। कार्यक्रम में मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ, सिविल लाईन्स विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, शाहपुरा विधायक मनीष यादव, जिला प्रमुख जयपुर श्रीमती रमा देवी चैपड़ा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् श्रीमती प्रतिभा वर्मा समेत संभाग के सातों जिलों दौसा, अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड, सीकर एवं झुंझुनू से आए जनप्रतिनिधि, सामाजिक व नागरिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत न्यायाधीश मदन लाल भाटी ने कहा कि आयोग संभाग स्तर पर संवाद के माध्यम से अन्य पिछड़ा वर्ग को राजनैतिक प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए फीडबैक लेकर रिपोर्ट तैयार करेगा जिससे ओबीसी वर्ग के लोगों को स्थानीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं में पर्याप्त संख्या में राजनैतिक प्रतिनिधित्व मिल सकेगा।

जल्द होगा ओबीसी वर्ग को लेकर विस्तृत सर्वे

उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा स्वतंत्र रूप से सर्वे भी कराया जाएगा जिसमें 19 बिंदुओं पर रिपोर्ट लेते हुए ओबीसी वर्ग का राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक पिछड़ेपन का पारदर्शिता से आकलन किया जा सके। उन्होंने बताया कि आयोग ओबीसी वर्ग के वंचितों को आरक्षण का लाभ मिल सके इसके लिये राजनैतिक प्रतिनिधित्व के लिये सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों के अनुरूप सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। आयोग के सदस्य सचिव अशोक जैन ने आयोग के गठन एवं उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों की पालना में राजनैतिक प्रतिनिधित्व के लिये आयोग संवाद एवं सर्वे कर रहा है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा सर्वे के लिये स्वतंत्र संस्था के साथ मोबाइल एप से भी सहायता ली जाएगी जिससे सटीक जानकारी मिल सके। उन्होंने स्थानीय निकायों में राजनैतिक आरक्षण के संबंध में आयोग के कार्यालय, मेल के द्वारा अथवा व्यक्तिशः मिलकर सुझाव देने के बारे में भी अनुरोध किया। सिविल लाइन्स विधायक डॉ. गोपाल शर्मा ने ओबीसी वर्ग को राजनीति में पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिलाने का आह्वान किया। शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने पंचायतीराज एवं नगरीय निकायों में जनसंख्या के आधार पर ओबीसी वर्ग को राजनैतिक प्रतिनिधित्व दिलाने की बात कही।

‘प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025’ में खनिज क्षेत्र के लिए आयोजित होगा विशेष सत्र

विशेष सत्र में ‘आत्मनिर्भर भारत’ के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु राजस्थान के क्रिटकल मिनरल्स की संभावनाओं को अनलॉक करना’ विषय पर विशेषज्ञ करेंगे विचार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार 10 दिसंबर को जयपुर के JECC में आयोजित ‘प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025’ के दौरान खनिज क्षेत्र पर विशेष सत्र का आयोजन करने जा रही है। ‘अनलॉकिग राजस्थान्स क्रिटिकल मिनरल पोटेंशियल फॉर आत्मनिर्भर भारत’ (‘आत्मनिर्भर भारत’ के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु राजस्थान के क्रिटकल मिनरल्स की संभावनाओं को अनलॉक करना) विषय पर आयोजित इस सत्र में विभिन्न उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे और देश के औद्योगिक विकास तथा ‘आत्मनिर्भर भारत’ के लिए विभिन्न रणनीतिक लक्ष्यों की प्राप्ति में राजस्थान की खनिज संपदा के बेहतर उपयोग के बारे में विमर्श करेंगे। इस विशेष सत्र में जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (GSI) के डायरेक्टर श्री संजय सिंह राजस्थान के क्रिटिकल मिनरल्स के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे और साथ ही, इस क्षेत्र में राज्य की भूगर्भीय क्षमता और हाल के समय में की गयी नई खोजों के बारे में जानकारी देंगे और खनन क्षेत्र के एक्सप्लोरेशन में उभर रहे नए अवसरों के बारे में भी चर्चा करेंगे।

इसी सत्र में आईआईटी (IIT) हैदराबाद के डायरेक्टर डॉ. बी.एस. मूर्ति धातुओं (मेटल्स) के मामले में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए उद्योगों, सरकार और अकादमिक क्षेत्र के बीच आपसी सहयोग और साझेदारी के महत्व पर अपने विचार रखेंगे। इस दौरान, डॉ. मूर्ति बताएंगे कि इन तीनों क्षेत्रों के बीच सहयोग एवं साझेदारी से धातुओं के मामले में नवाचारों की गति बढ़ने से ‘आत्मनिर्भर भारत’ के निर्माण में कैसे सहयोग मिल सकता है। इसी विषय को आगे बढ़ाते हुए राजस्थान फाउंडेशन के ओडिशा चैप्टर के अध्यक्ष और जे मिनरल्स, मैनेजिंग डायरेक्टर अजय अग्रवाल खनिज क्षेत्र के विकास में प्रवासी राजस्थानियों की भूमिका और इस क्षेत्र में राजस्थान में उभरते अवसरों पर विचार व्यक्त करेंगे। इनके साथ ही आईआरईएल (IREL) (इंडिया) लिमिटेड के डायरेक्टर रजनीश अरविंद खाले द्वारा क्रिटिकल मिनरल्स के उत्खनन और प्रसंस्करण के बारे में जानकारी दी जाएगी, वहीं, आईआईटी (IISM) धनबाद के डिप्टी डायरेक्टर और टेक्समिन के माइनिंग टेक्नोलॉजी इन्नोवेशन हब के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. धीरज कुमार पुराने डंपिंग यार्ड में क्रिटिकल मिनरल्स के तत्वों की मौजूदगी से संबंधित विषय पर किए गए अध्ययनों की जानकारी देंगे।

बारां में किसानों की भीड़ और वितरण की थकाऊ प्रक्रिया देख चकरा जाएगा सिर

रात 11 बजे से लगी लाइन, 12 घंटे बाद मिला यूरिया खाद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बारां। जिले में यूरिया खाद संकट ने किसानों को उस चरम पर धकेल दिया है, जहां अपनी फसल बचाने के लिए उन्हें 12 घंटे से अधिक समय तक कंपकंपाती ठंड में खुले आसमान के नीचे रात गुजारनी पड़ती है। बारां जिले के क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के बाहर लगी किसानों की यह विशाल भीड़ न केवल प्रशासनिक तंत्र की विफलता को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि देश के अन्नदाताओं को अपने हक के लिए किस कदर जूझना पड़ रहा है। देर रात 11 बजे से शुरू हुआ यह संघर्ष अगली सुबह या दोपहर तक चलता है, जिसके बाद किसानों को आखिरकार यूरिया खाद मिल पाता है।

सर्द रात और 'यूरिया की चाहत'

बारां जिले के अटरू, छबड़ा, और छीपाबड़ौद जैसे प्रमुख कृषि क्षेत्रों में किसान अब सुबह होने का इंतजार नहीं कर रहे हैं। अपनी रबी की फसलों (जैसे गेहूं और सरसों) को समय पर यूरिया की दूसरी खुराक (टॉप ड्रेसिंग) देने की अत्यधिक आवश्यकता के कारण, वे पिछली रात 11 बजे से ही वितरण स्थलों पर डेरा डाल रहे हैं। भीड़ का यह आलम था कि लाइनें बेतरतीब थीं और किसानों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि देखने वाले का सिर चकरा जाए। किसान अपनी बारी आने की उम्मीद में सर्दी में ठिठुरते रहे। इस लंबी और दर्दनाक कतार में महिलाएं, बुजुर्ग और पुरुष किसान शामिल थे, जिन्होंने 12 घंटे से अधिक समय तक अपनी जगह नहीं छोड़ी।

वितरण की थकाऊ प्रक्रिया

दरअसल, क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को खाद वितरित करने की प्रक्रिया काफी जटिल और थकाऊ है। किसान खाद लेने के लिए सहकारी समिति पहुंचते हैं, जहां उन्हें पहले लंबी लाइन में लगना पड़ता है। इसके बाद, वे अपनी टोकन रसीद कटवाने का इंतजार करते हैं। काउंटर पर बैठा कर्मचारी सीमित मात्रा में–आमतौर पर 2 से 5 बैगों की ही–रसीद काटता है, जिस पर उन्हें खाद प्राप्त करने का स्थान (सहकारी गोदाम या खाद विक्रेता डीलर) अंकित कर दिया जाता है। इस चरण के बाद, किसानों का आरोप है कि उन्हें एक और मुश्किल का सामना करना पड़ता है। खाद विक्रेता डीलरों के पास रसीद लेकर जाने पर, वे अक्सर अधिक राशि वसूलते हैं और अटैचमेंट (अन्य उत्पाद खरीदने की बाध्यता) जोड़ देते हैं। इस मनमानी के कारण, किसानों पर अनावश्यक आर्थिक भार पड़ता है।

मैदानों में टोकन वितरण

खाद किल्लत अब इतनी अधिक बढ़ गई है कि सहकारी समितियों के परिसर भी किसानों की विशाल भीड़ को संभालने के लिए छोटे पड़ने लगे हैं। इस अव्यवस्था से निपटने के लिए, अब समिति के कर्मचारियों द्वारा एसडीएम कार्यालय, पुलिस थाने या फिर खुले मैदानों में कतारें लगवाकर टोकन काटे जा रहे हैं। इन स्थानों पर, किसान, जिनमें महिला और पुरुष दोनों शामिल हैं, भरी सर्दी के मौसम में देर रात से ही पहुंच जाते हैं। दो से पाँच यूरिया खाद के कट्टों की चाहत में, वे रात से लेकर दोपहर तक घंटों तक कतारों में खड़े होकर अपने टोकन कटवाने का इंतजार करते हैं। हालांकि, इतनी लंबी मशक्कत के बाद उन्हें दो-तीन खाद के बैग मिल तो जाते हैं, लेकिन कई बार घंटों इंतजार के बाद भी खाद खत्म हो जाती है, और किसानों को बिना टोकन के ही निराश होकर वापस लौटना पड़ता है।

न्युवोको ज़ीरो एम उन्नति ऐप लॉन्च

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड, भारत की भरोसेमंद बिल्डिंग मटेरियल कंपनी ने न्युवोको ज़ीरो एम उन्नति ऐप को लॉन्च किया है। यह ऐप खास तौर पर इन्फ्लुएंसर कम्युनिटी के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें कॉन्ट्रैक्टर, वॉटरप्रूफिंग एप्लीकेटर, टाइल एप्लीकेटर, राजमिस्त्री और पेंटर शामिल हैं, जो प्रोडक्ट को अपनाने और कस्टमर एक्सपीरियंस को बढ़ाकर कंपनी की ग्रोथ में अहम भूमिका निभाते हैं। डीलर, रिटेलर और डिस्ट्रीब्यूटर भी अपने-अपने प्रोफाइल के जरिए इस ऐप को एक्सेस कर सकते हैं। यह ऐप एक पूरा डिजिटल एक्सपीरियंस देता है, जिसमें आसानी से रिवॉर्ड रिडीम करना, रिवॉर्ड पॉइंट, इंसेंटिव और परफॉर्मेंस की रियल-टाइम ट्रैकिंग शामिल है। यह प्रोडक्ट की पूरी जानकारी और ऑफर, प्रोग्राम और नए प्रोडक्ट लॉन्च पर तुरंत अपडेट के साथ-साथ डायरेक्ट हेल्पलाइन और कॉल-सेंटर सपोर्ट भी देता है। हेड, मार्केटिंग, इनोवेशन और सेल्स एक्सीलेंस, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड चिराग शाह ने कहा कि इन्फ्लुएंसर हमारी सफलता का एक अहम हिस्सा हैं और यह प्लेटफॉर्म उन्हें नॉलेज, ट्रांसपेरेंसी और रियल-टाइम सपोर्ट देकर मजबूत बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

"डॉक्टर ऑफ सोशल इनोवेशन एवं इंटरनेशनल लीडरशिप" मानद उपाधि से अलंकृत होंगे मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। देश के प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने आर. के. एम. ग्रुप के प्रबंध निदेशक एवं अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष "राज कुमार मित्तल" को "अमेरिकन मेरिट काउंसिल" द्वारा उनकी उत्कृष्ट सामाजिक सेवाओं और नवोन्मेषी नेतृत्व के लिए "डॉक्टर ऑफ सोशल इनोवेशन एवं इंटरनेशनल लीडरशिप" मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। यह भव्य मानद पुरस्कार समारोह 12 जनवरी 2026, चेन्नई में आयोजित होगा।

मित्तल को यह प्रतिष्ठित सम्मान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक नवप्रवर्तन, शिक्षा, स्वास्थ्य, नारी सशक्तिकरण एवं सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने हेतु उनके सतत प्रयासों, नवीन विचारों, प्रभावी नीतियों एवं संगठनात्मक विकास को प्राथमिकता देते हुए किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया जा रहा है। मित्तल ने बताया कि इससे पूर्व भी उन्हे अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें वर्ष 2020-ग्लोबल बिजनेस लीडरशिप अवार्ड, वर्ष 2021-इंडिया ग्लोरियस अचीवर्स अवार्ड, वर्ष 2022-डॉक्टर ऑफ सोशल वर्क्स, वर्ष 2023-प्राच्यविद्या विद्वत्ता अलंकरण अवार्ड, वर्ष 2024 - अग्र रत्न अवार्ड के अलावा इसी वर्ष 27 को सन्मार्ग समूह द्वारा "राजस्थान गौरव सम्मान अवार्ड" प्रमुख है। उन्होने बताया कि, राष्ट्रीय स्तर पर उद्योग जगत, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न संस्थाओं ने उन्हे हार्दिक बधाई देते हुए, उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभ कामनाएं प्रेषित की हैं। समाज सेवा, सामाजिक नव-प्रवर्तन, शिक्षा, स्वास्थ्य, नारी सशक्तिकरण एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में उनके सतत प्रयासों को व्यापक सराहना मिली है।

शकूरबस्ती दिल्ली-जैसलमेर स्वर्ण नगरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का संचालन शुरू

नई स्वर्ण नगरी सुपरफास्ट ट्रेन का दिल्ली से रेगिस्तान तक का सफर शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। शकूरबस्ती दिल्ली-जैसलमेर वाया जयपुर होकर स्वर्ण नगरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नियमित संचालन शुरू हो गया है। यह नई सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन शकूरबस्ती दिल्ली से और जैसलमेर से प्रतिदिन निर्धारित समयानुसार चलेगी। जैसलमेर से यह ट्रेन नियमित रूप से शाम 5 बजे रवाना होकर रात 9:50 बजे जोधपुर और तड़के 3:20 बजे जयपुर पहुंचेगी। यहां 10 मिनट के ठहराव के बाद यह सुबह 9:30 बजे शकूरबस्ती (दिल्ली) पहुंचेगी।

रेलमंत्री ने ट्रेन को दिखाई थी हरी झंडी

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने जैसलमेर रेलवे स्टेशन से जैसलमेर-शकूरबस्ती दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल उद्घाटन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इस अवसर पर रेलमंत्री वैष्णव ने ट्रेन का नया नाम स्वर्ण नगरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस रखा था। दिल्ली रूट पर अब जयपुर से यात्रियों को कुल 16 ट्रेनें उपलब्ध हो गई हैं।

ट्रेन में कुल 16 कोच शामिल

स्वर्ण नगरी स्पेशल सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा में 01 फर्स्ट एसी, 01 सैकण्ड एसी, 02 थर्ड एसी, 06 द्वितीय शयनयान, 04 साधारण श्रेणी, 01 गार्ड डिब्बा व 01 पावरकार सहित कुल 16 डिब्बे एलएचबी कोच लगाए गए हैं।

जैसलमेर जाने वाले यात्रियों को मिलेगी कनेक्टिविटी

जयपुर से जैसलमेर जाने वाले यात्रियों को भी एक और नई ट्रेन मिल गई है। पर्यटन की नजर से जैसलमेर महत्वपूर्ण डेस्टिनेशन है और हर साल पर्यटन के पीक सीजन में हजारों सैलानी जैसलमेर पहुंचते हैं। ऐसे में स्वर्ण नगर सुपरफास्ट ट्रेन का संचालन शुरू होने पर जैसलमेर जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

समय सारणी जारी

गाड़ी संख्या 12249 शकूरबस्ती दिल्ली-जैसलमेर स्वर्ण नगरी सुपरफास्ट ट्रेन दिल्ली कैंट शाम शाम 5.54/5.56, गुड़गांव 6.11/6.13, रेवाड़ी 7.05/7.07, अलवर 8.06/ 8.09, दौसा 9.10/9.12, जयपुर रात 10.30/10.40, फुलेरा 11.33/11.35, नावां सिटी 12.13/12.15, कुचामन सिटी 12.29/12.31, मकराना 12.44/12.47, डेगाना 1.17/1.20, मेड़ता रोड 1.49/1.54, जोधपुर अलसुबह 3.40/4,ओसियां 5.01/5.03, मारवाड़ लोहावट 5.37/5.39, फलोदी 6.12/6.17, रामदेवरा 7.01/7.04, आशापुरा गोमट 7.16/7.18, जैसलमेर सुबह 9.00 बजे पहुंचेगी।

जैसलमेर-दिल्ली सुपरफास्ट गाड़ी

संख्या 12250 जैसलमेर-शकूरबस्ती दिल्ली स्वर्ण नगरी सुपरफास्ट ट्रेन आशापुरा गोमट शाम 6.08/6.10, रामदेवरा 6.18/6.21, फलोदी 7.05/7.10, मारवाड़ लोहावट 7.41/7.43, ओसियां रात 8.14/8.16, जोधपुर 9.50/10.20, मेड़ता रोड 11.42/11.47, डेगाना 12.18/12.21, मकराना 12.51/12.54, कुचामन सिटी 1.16/1.18, नावा सिटी 1.32/1.34, फुलेरा 2.25/2.27, जयपुर 3.20/3.30, दौसा प्रातः 4.14/4.16, अलवर 5.29/5.32, रेवाड़ी 7.28/7.30, गुड़गांव 8.18/8.20, दिल्ली कैंट 8.35/8.37, शकूरबस्ती सुबह 9.30 बजे पहुंचेगी।

बाघिन ने 3 शावकों को दिया जन्म, वन मंत्री ने सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सवाई माधोपुर। रणथंभौर टाइगर रिजर्व से एक बार फिर वन्यजीव प्रेमियों के लिए खुशखबरी सामने आई है। रणथंभौर में शावकों की किलकारी गूंजी है। इस बार यह खुशखबरी रणथंभौर की बाघिन टी-2307 ने दी है। टी 2307 ने 3 शावकों को जन्म दिया है। वन मंत्री संजय शर्मा ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया पर साझा की है।

तीन शवक एक साथ दिखे

वनाधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, रणथंभौर की कुंडेरा रेंज में कुछ दिन पूर्व वनकर्मियों को गश्त के दौरान बाघिन 2307 तीन

शावकों के साथ दिखाई दी थी। हालांकि, उस वक्त वनकर्मी बाघिन और उसके शावकों की फोटो वीडियो नहीं ले पाए थे। जिसके चलते बाघिन के शावकों को जन्म देने की पुष्टि नहीं हो सकी थी।

वन मंत्री ने फोटो साझा की

बाघिन के शावकों को जन्म देने की खबर प्रदेश के वन मंत्री संजय शर्मा ने भी अपने सोशल मीडिया पर साझा की है। वन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, बाघिन टी 2307 की उम्र करीब 4 साल है। यह बाघिन टी 111 और बाघ 121 की बेटी है।

बाघिन टी-2307 पहली बार मां बनी

बाघिन टी 2307 पहली बार मां बनी है। फिलहाल बाघिन की टेरेटरी कुंडेरा रेंज के बावड़ी तिराहा, बैरदा और लाहपुर सेल एरिया में है। वन विभाग द्वारा सुरक्षा को लेकर बाघिन व शावकों की मॉनिटरिंग व ट्रैकिंग बढ़ा दी गई है।

नई शाखाओं के प्रस्ताव RBI को भेजने का निर्णय

अर्बन बैंक सेवा कार्यों से जोड़ेगा नए ग्राहक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की निदेशक मंडल बैठक चेयरमैन डॉ. आई.एम. सेठिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें रजत जयंती वर्ष के अवसर पर सभी शाखा क्षेत्रों में विशेष सेवा कार्यों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने की रणनीति तय की गई। सहकारी विभाग से कार्यक्षेत्र विस्तार की अनुमति मिलने के बाद गांधी नगर चित्तौड़गढ़ तथा बांसवाड़ा-डूंगरपुर जिला मुख्यालय पर नई शाखाएँ खोलने के प्रस्ताव दिसंबर महीने में भारतीय रिज़र्व बैंक को भेजे जाएंगे।

बैठक में शाखा आधारित व्यवसाय समीक्षा, ऋण स्वीकृतियाँ, निवेश समीक्षा तथा प्रधान कार्यालय निर्माण के लिए नक्शा और लागत अनुमान पर भी विस्तृत चर्चा हुई। डॉ. सेठिया ने बताया कि मार्च 2026 तक प्रत्येक शाखा की प्रगति बढ़ाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को शाखा-वार जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में बैंक के पूर्व निदेशक इन्द्र मल लोढ़ा और दलपत तातेड के निधन पर दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद डॉ. सेठिया ने पाली में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के पुत्र के विवाह समारोह में भाग लेकर विभिन्न वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात भी की।

आसाराम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची रेप पीड़िता, जमानत रद्द करने की मांग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। आसाराम को 6 महीने की जमानत मिलने के खिलाफ पीड़िता सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। उसने आसाराम की जमानत रद्द करने की मांग की है। राजस्थान हाई कोर्ट के फैसले के बाद गुजरात हाईकोर्ट में आसाराम की ओर से जमानत की याचिका पर सुनवाई के दौरान दलील दी गई कि जोधपुर कोर्ट ने आसाराम को 6 महीने के लिए जमानत दी है। वे हृदय से संबंधित बीमारी से पीड़ित हैं। आसाराम की उम्र 86 वर्ष है, और उन्हें इलाज कराने का अधिकार है।

गुजरात हाई कोर्ट ने भी दी जमानत

गुजरात हाई कोर्ट ने आसाराम को अंतरिम जमानत देते हुए कहा था कि आसाराम की चिकित्सकीय स्थिति को देखते हुए जोधपुर हाई कोर्ट ने उन्हें जमानत दी थी, इसलिए गुजरात हाई कोर्ट अलग रुख नहीं अपना सकता। यदि राजस्थान सरकार इस जमानत को चुनौती देती है, तो गुजरात सरकार भी ऐसा कर सकेगी। पीड़िता के वकील पक्ष ने कहा था कि ऐसी परिस्थितियों में भी आसाराम अहमदाबाद, जोधपुर, इंदौर आदि स्थानों पर घूमते रहे हैं. उन्होंने कभी किसी अस्पताल में लंबी अवधि का इलाज नहीं लिया। वे ऋषिकेश से महाराष्ट्र तक घूमे हैं। जोधपुर में आयुर्वेदिक उपचार जारी है, और उन्हें कोई तकलीफ नहीं है।

माली (मौर्य) समाज ने मायरे में निभाई अनूठी परम्परा, महारानी पद्मिनी की पौशाक, महाराणा प्रताप का साफा व 11,101 रुपए भेंट

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। भीलवाड़ा निवासी बंशीलाल मौर्य (माली) अपनी पुत्री का मायरा लेकर चित्तौड़गढ़ पहुंचे, जहां दोहिता लोकेश माली व दोहित्री मोनिका के विवाह अवसर पर मायरा भरा गया। कीरखेड़ा स्थित वाटिका में समाज के पंच-पटेलों की उपस्थिति में हुई रस्म में उन्होंने विशेष रूप से महारानी पद्मिनी की पौशाक और महाराणा प्रताप का साफा लेकर मायरा प्रस्तुत किया। जौहर स्मृति संस्थान के पदाधिकारियों को आमंत्रित करते हुए संस्थान के महामंत्री तेजपाल सिंह शक्तावत को समाजजनों की मौजूदगी में सम्मानपूर्वक साफा पहनाया गया और थाली में रखकर वीर-वीरांगनाओं को समर्पित 11,101 रुपए भेंट किए गए। अशोक राव ने बताया कि चित्तौड़गढ़ के बलिदानी इतिहास और समाज की सती माता व चतरंग मोरी तालाब से जुड़ी परम्पराओं के प्रति सम्मान स्वरूप यह अनूठा भाव प्रकट किया गया।

एचपी एलपीजी सिलेंडर की भारी कमी

श्रीगंगानगर @ जागरूक जनता। जिले में हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड द्वारा उत्पादित एलपीजी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में भारी कमी आ गयी है। इस किल्लत के कारण आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ सरकारी विद्यालयों में मिड-डे मील कार्यक्रम चलाने वाले स्टाफ को भी गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राजस्थान

क्रमांक :- न.पा.ता/2025-26/4043 दिनांक :-27.11.2025

आपत्ति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका क्षेत्र तारानगर के निम्नांकित भूखण्ड धारियो ने 69ए/स्टेट ग्राण्ट हेतु पत्रावलियां जगा करवायी गयी है अतः जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस मे सप्रमाण आपत्ति इस कार्यालय मे प्रस्तुत करे। बाद अवधि प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पिता का नाम	वार्ड नं.	ऑनलाईन आवेदन	कुलतादादी (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ
1.	नन्दलालपुत्र हेतरामपटीर	01	321531	136.66	69ए नियमन

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका
तारानगर

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

● सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

रायपुर ग्राम पंचायत घोटाले की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक

21 लाख की अनियमितताएँ उजागर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही @ तुषार पुरोहित। जिले के रेवदर ब्लॉक स्थित रायपुर ग्राम पंचायत में हुए वित्तीय घोटाले की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद बड़े खुलासे सामने आए हैं। तीन सदस्यीय कमेटी की रिपोर्ट में लगभग 21 लाख रुपये की अनियमितता पाई गई है, जिसमें तत्कालीन सरपंच एवं वर्तमान प्रशासक छगनलाल कोली और तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी फाऊलाल दोषी पाये गए है।

गैर-मुमकिन रास्ते और ओरण भूमि पर नियम विरुद्ध पट्टे

जांच में सामने आया कि पंचायत प्रशासन ने गैर-मुमकिन रास्ते ओरण (सामुदायिक चरागाह) भूमि पर नियम विरुद्ध तरीके से पट्टे जारी किए। यह कार्य न केवल नियमों के विरुद्ध है, बल्कि राजस्व और सामुदायिक उपयोग की भूमि पर सीधा अतिक्रमण भी माना गया है।

बिना कार्य किए 21 लाख का भुगतान

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि कई कार्यों का भौतिक सत्यापन नहीं हुआ, बावजूद इसके लगभग 21 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया। इसे गंभीर वित्तीय अनियमितता माना गया है। जांच कमेटी ने साफ तौर पर अनुशंसा की है कि वीडीओ फाऊलाल, प्रशासक छगनलाल कोली से अनियमित भुगतान की राशि वसूली की जाए।

सीईओ को भेजा गया पत्र, कार्रवाई की सिफारिश

विकास अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट जिला परिषद सीईओ को भेजते हुए यह सिफारिश की है कि–वीडीओ फाऊलाल पर CCA नियमों के तहत कार्रवाई की जाए। प्रशासक छगनलाल कोली पर पंचायती राज अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाए।

अब जिला परिषद सीईओ करेंगे आगे की कार्रवाई

अब पूरा मामला जिला परिषद सीईओ के पास है, जो जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक विभागीय और कानूनी कार्रवाई तय करेंगे।

जांच रिपोर्ट दबाने कों लेकर उठे गंभीर सवाल

जिला परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालों के दायरे में, जवाबदेही कौन तय करेगा..?

जिला परिषद में वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी जांच रिपोर्ट 19 सितंबर 2025 को सीईओ कार्यालय सिरोही पहुंचने के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यह सवाल अब तेजी से सुर्खियों में है। रिपोर्ट के आते ही फाइल को दबाने, कार्रवाई टालने और उच्च नेतृत्व को सूचना न भेजने को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुये हैं।

सवाल यह भी है कि जिला परिषद सीईओ की भूमिका इस पूरे प्रकरण में गंभीर सवालों के घेरे में है? जांच रिपोर्ट में सामने आई वित्तीय अनियमितताओं पर तुरंत विभागीय कार्रवाई होनी चाहिए थी, लेकिन दो महीने तक फाइल ठंडे बस्ते में पड़ी रही, ऐसा क्यों?

क्या सीईओ ने सरपंच/प्रशासक की वित्तीय शक्तियाँ की थीं सीज..?

जांच में लाखों रुपये की वित्तीय अनियमितता उजागर हुई थी। ऐसे में स्वाभाविक तौर पर ज़िला परिषद स्तर पर तत्काल कार्रवाई, शक्तियों का निलंबन और रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजे जाने की प्रक्रिया होनी चाहिए थी।

लेकिन बड़ा सवाल यह कि

क्या सीईओ ने किसी भी स्तर पर कार्रवाई की? क्या राज्य सरकार को समय पर सूचना भेजी गई?

या पूरी प्रक्रिया जानबूझकर रोकी गई?

अब यह भी चर्चा में है कि राज्य सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर ऐसे मामलों में स्थानीय स्तर पर ही पलीता लगाया जा रहा है।

दो महीने में क्या कार्रवाई हुई?

जांच रिपोर्ट आने के बाद भी दो महीने तक किसी अधिकारी, कर्मचारी या जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई नहीं होना गंभीर सवाल खड़े करता है।

सूत्र बताते हैं कि इस तरह की और भी कई फाइलें जिला परिषद कार्यालय में कार्रवाई की प्रतीक्षा में दबाकर रख दी गई होंगी..?

यदि ऐसा है तो यह न केवल प्रशासनिक उदासीनता का मामला है, बल्कि भ्रष्टाचार-रोधी तंत्र को कमजोर करने का भी संकेत है।

क्या मंत्री और ACB लेंगे स्वतः संज्ञान..?

जिला परिषद स्तर पर फाइल दबाने जैसे मामलों को लेकर अब मांग उठ रही है कि–पंचायती राज मंत्री, एसीबी, और मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) इस पूरे मामले का स्वतः संज्ञान लें। सवाल यह कि जब वित्तीय अनियमितता का प्रमाण मौजूद है, तो कार्रवाई रोकने का कारण क्या था?

क्या यह महज लापरवाही है या इसके पीछे कोई "बड़ा हित" काम कर रहा था?

जल्द पहुँचेगी शिकायत मुख्यमंत्री तक

स्थानीय लोगों और शिकायतकर्ताओं की ओर से यह मामला अब पत्राचार के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तक भेजा जा जा सकता है.!, ताकि जिम्मेदारों पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके और जिला परिषद के भीतर चल रहे फाइल दबाने के "तंत्र" की जांच हो सके।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

प्रदेश की राजनीति के मॉडल सीएम भजनलाल

सरपट
ज्ञानेन्द्र मिश्रा

राजनीति में कोई पूरक नहीं होता, ना ही कोई पर्याय होता है। राजनीति की कोई चरम सीमा नहीं होती। राजनीति बस राजनीति होती है। साम-दाम-दंड-भेद सब राजनीति में जायज है। राजनीति एक सरल और स्पष्ट शब्दावली है। किन्तु इसे समझना हर किसी के बस की बात नहीं है। ठीक 2 वर्ष पूर्व ऐसी ही एक राजनीतिक व्यवस्था प्रदेश में देखने को मिली। बेहद अप्रत्याशित और औचक तरीके से जादू की तरह निकले सीएम भजनलाल शर्मा। पार्टी के ज्यादातर लोग सीएम भजन लाल को, संगठन के ईमानदार कार्यकर्ता से ज्यादा नहीं जानते थे और प्रदेश की जनता भी बेहद कम ही जानती थी। ना कोई बड़ा जनाधार, न बड़ा सियासी समीकरण और न ही कोई ऐसा कोई संकेत कि वे राज्य में सत्ता को सफलता से संभाल लेंगे। मगर अब, जब सत्ता सम्भाले दो साल पूरे हो रहे हैं, तो यह हिसाब-किताब भी जरूरी है कि सीएम कितने सफल बन सके और खुद को आलाकमान की भावनाओं के अनुरूप मुख्यमंत्री के रूप में खुद को कितना ढाला। सीएम की प्रोफ़ाइल कितनी मजबूत है, इसके बारे में क्या आम धारणा बनी है। यह जांचने के लिए अगर राजनीतिक स्थिरता, प्रशासनिक पकड़, नेतृत्व के साथ तालमेल, प्रादेशिक जटिलताओं को संभालने की क्षमता और भविष्य की संभावना के राजनीतिक नजरिये का आकलन करें, तो भजनलाल शर्मा एक परिपक्व सीएम के रूप में उभरे है। क्योंकि भौगोलिक और राजनीतिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण एवं जातिगत समीकरण में सबसे अप्रत्याशित राज्य में सबसे कमजोर समझे जाने वाले किसी नेता का लगातार दो वर्ष तक बिना किसी बड़े असंतोष के निर्विवाद सत्ता संभालना आसान नहीं होता।

मजबूत रणनीतिकार बनें भजनलाल

राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में, भजनलाल शर्मा के खाते में तीन प्रमुख उपलब्धियां दर्ज हुईं, एक तो निर्विवाद सत्ता संचालन, दूसरा, प्रशासनिक कमान और तीसरा ताकतवर नेताओं के साथ व्यावहारिक संतुलन। राजस्थान की राजनीति में, जहां सियासी संघर्ष और धड़ेबाज़ी लगातार चलते रहते हैं, वहां मुख्यमंत्री के तौर पर भजनलाल शर्मा ने शांत प्रशासनिक ढांचा दिया। शर्मा के अब तक के कार्यकाल के संदेश यही है कि कम अनुभव वाले नेता भी बड़े राज्य चला सकते हैं, यदि उनमें संतुलन, सरलता और स्थिरता की क्षमता हो। भजनलाल शर्मा का पॉलिटिकल प्रोफ़ाइल सबसे अधिक मजबूत हुआ है। वे सबसे कमजोर माने जाते थे, लेकिन अब सबसे ज्यादा भरोसेमंद मुख्यमंत्री के रूप में उभरे हैं। मुख्यमंत्री शर्मा कम बोलने और ज्यादा काम करने वाली शैली में फिट होते दिखे हैं। न किसी बड़े नेता से टकराव, न किसी विवादित बयान से सुर्खियां बटोरने की कोशिश। उन्होंने खुद को लो-प्रोफाइल, मगर इफ़ेक्टिव मुख्यमंत्री साबित किया। भजनलाल शर्मा की सबसे बड़ी ताकत उनका केंद्रीय नेतृत्व के साथ सहज तालमेल है, जो बीजेपी नेतृत्व को सबसे अधिक पसंद आता है। इस कारण वे उस मॉडल में सबसे बेहतर फिट हुए हैं जिसमें आलाकमान राज्य की कमान अपने हाथ में रखकर, एक संतुलित और भरोसेमंद चेहरे को आगे करता है।

भजनलाल की राष्ट्रीय राजनीति में पहचान

राजस्थान में भजनलाल शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि वे एक नए प्रकार के बीजेपी मुख्यमंत्री का मॉडल बनकर उभरे हैं। वे शांत, ईमानदार, महत्वाकांक्षा विहीन और पूर्णतः आलाकमान के प्रति समर्पित विश्वासपात्र के रूप में भी खरे उतरे हैं। उन्होंने अपने से वरिष्ठ, बड़े और प्रभावशाली नेताओं के बीच संतुलन बनाए रखा और चाहे वह प्रदेश संगठन हो, केंद्र हो या स्थानीय शक्ति समूह। इसीलिए शर्मा को मुख्यमंत्रियों के मामले में बीजेपी के प्रयोग का सफलतम उदाहरण माना जा सकता हैं। दो वर्ष पहले और आज के तुलनात्मक आकलन में, भजनलाल शर्मा मात्र एक अप्रत्याशित चेहरा नहीं रहे, बल्कि अब वे राजस्थान और राष्ट्रीय राजनीति में अपनी एक स्थापित पहचान बना चुके हैं। शर्मा को मुख्यमंत्री बना कर बीजेपी ने यह उदाहरण सेट किया था कि पार्टी संगठन छोटे से कार्यकर्ता को भी शीर्ष पद तक पहुंचा सकता है, तो एक मुख्यमंत्री के तौर पर बीते दो वर्षों में भजनलाल शर्मा ने भी अपने राजनीतिक आचरण से यह साबित किया ही है कि सामान्य लोगों पर जब भरोसा किया जाता है, तो वे प्रभावशाली लोगों से भी ज्यादा बेहतर साबित हो सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com मो- 9829329070

पर्यटन का बदलता चरित्रः जिम्मेदार और सुरक्षित पर्यटन के लिए 90% रिसोर्ट में फैमिली और कपल बुकिंग ही स्वीकार

सम सेंड ड्यून्स स्थित रिसोर्ट्स में अब फैमिली और कपल्स को ही मिलेगी एंट्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जैसलमेर। विश्व प्रसिद्ध सम सेंड ड्यून्स क्षेत्र में पर्यटन का चरित्र तेजी से बदल रहा है। पर्यटन की झोली में आने वाले करीब 1800 करोड़ में से रेतीले धोरों के चुंबकीय आकर्षण से ही हर साल 300 करोड़ शामिल है। अब सेंड ड्यून्स के पास बने रिसोर्ट में जिम्मेदार और सुरक्षित पर्यटन की नीति पर ध्यान दिया जा रहा है। इसी सोच के तहत कई प्रमुख रिसोर्टों ने अपनी बुकिंग नीति बदलते हुए सिर्फ फैमिली या कपल पर्यटकों को ही टेंट-कॉटेज उपलब्ध करवाना शुरू किया है। संचालकों का कहना है कि यह कदम पर्यटक सुरक्षा, मरु-पर्यावरण की स्वाभाविक शांति और सम के विशिष्ट अनुभव को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। पिछले कुछ वर्षों में बड़े समूहों में आने वाले युवा पर्यटकों की ओर से शराब और नशे की अवस्था में उत्पात, देर रात तेज आवाज में डीजे बजाने की जिद और महिलाओं की मौजूदगी में अशोभनीय व्यवहार जैसी घटनाएं बढ़ गई थीं। इससे न केवल शांत-पर्यटक परेशान होते थे, बल्कि मरुस्थल की मूल सुंदरता भी प्रभावित होती थी।

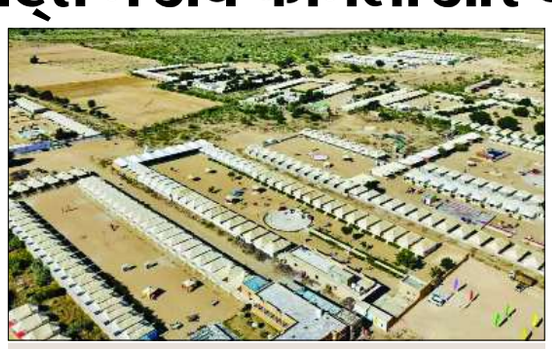

दावा- अनुशासन बढ़ा

रिसोर्ट संचालकों के अनुसार, यह नीति केवल जिम्मेदार पर्यटन की दिशा में ही सकारात्मक कदम है। कारण यह है कि सम की खूबसूरती का आनंद शांत वातावरण में ही लिया जा सकता है और अधिकांश परिवार इसी उम्मीद से यहां आते हैं। जानकारों के अनुसार, क्षेत्र की छवि पर असर डालने वाली घटनाओं के सोशल मीडिया पर वायरल होने से भी संचालकों ने अपनी नीति बदली है।

तब और अब **नववर्ष** जैसे विशेष आयोजनों में पहले केवल फैमिली गेस्ट को प्राथमिकता दी जाती थी। उन दिनों माहौल में शांति और अनुशासन देखने के बाद पिछले एक-दो वर्षों से अधिकांश रिसोर्ट यह व्यवस्था पूरे सीजन लागू कर चुके हैं। पर्यटन विशेषज्ञों का कहना है कि यह पहल मरुस्थलीय पर्यटन को नई पहचान दे सकती है। सुरक्षित माहौल मिलने से फैमिली टूरिस्ट्स की संख्या बढ़ेगी और अनुशासन के कारण पर्यटकों को एक उच्च स्तरीय अनुभव मिलेगा।

फैक्ट फाइल

- 300 करोड़ प्रतिवर्ष अनुमानित पर्यटन कारोबार सम से
- 150 के करीब रिसोट संचालित हो रहे हैं सीजन के दौरान
- 2 हजार के करीब ऊंट प्रतिदिन पर्यटकों को सफारी का अनुभव देने के लिए उपलब्ध
- 90 फीसदी से अधिक रिसोर्ट ने अपना ली है फैमिली-टूरिस्ट्स की नीति

शांत, सुरक्षित व सकारात्मक वातावरण बना

फैमिली टूरिस्ट्स को प्राथमिकता देने से सम में अधिक शांत, सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण बन रहा है। इससे अनुशासन भी बढ़ा है और हर पर्यटक बेहतर अनुभव ले रहा है। **-पुष्पेन्द्र व्यास,** रिसोर्ट संचालक

राजस्थान के राजभवन का नाम अब 'लोकभवन'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में राजभवन अब नए नाम से जाना जाएगा। इस संबंध में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अधिसूचना जारी की। नई अधिसूचना के मुताबिक, राजभवन का नाम अब 'लोकभवन' होगा। राजस्थान 9वां राज्य है, जहां यह अधिसूचना जारी हुई है। एक दिसम्बर 2025 से यह अधिसूचना प्रभावी रहेगी। राज्यपाल ने बताया कि 'लोकभवन' केवल नामकरण नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं और लोक आकांक्षाओं का प्रतीक है। औपनिवेशिक मानसिकता से लोकतांत्रिक भारतीय संस्कृति की ओर आगे बढ़ने की दिशा में 'लोकभवन' नामकरण बहुत बड़ी पहल है।

इस वजह से की पहल

उन्होंने कहा, "भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक राष्ट्र है। हमारे देश के संविधान की उद्देशिका ही 'हम भारत के लोग' से प्रारंभ होती है। लोकतंत्र में लोक ही प्रमुख है, इसलिए राज्यपाल का कार्यस्थल अब 'लोकभवन' नाम से जाना जाएगा।" राज्यपाल ने कहा कि 'राज' शब्द ब्रिटिश शासन के अवशेषों की याद दिलाता है। इसी वजह से केन्द्र सरकार की पहल पर यह बड़ा बदलाव किया गया है।

बंगाल-त्रिपुरा समेत कई राज्यों में बदला गया नाम

देश के कई राज्यों में राजभवन के नामकरण से संबंधित अधिसूचना जारी हो चुकी है। अब तक उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजभवन का नाम बदलकर लोकभवन रखा गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार राजभवनों के नामकरण में बदलाव किया गया है।

75 साल में पहली बार अजमेर दरगाह में लाइसेंस सिस्टम

लाइसेंसधारी खादिम ही करवा सकेंगे ज़ियारत

नई व्यवस्था के तहत लाइसेंस के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 5 जनवरी 2026

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अजमेर। अजमेर ख्वाजा गरीब नवाज़ की दरगाह में इतिहास में पहली बार खादिमों के लिए लाइसेंस प्रक्रिया लागू होने जा रही है। नई व्यवस्था के अनुसार, केवल लाइसेंसधारी खादिम ही ज़ियारत करवा सकेंगे। दरगाह कमेटी ने केंद्र सरकार के निर्देश पर प्रक्रिया शुरू कर दी है और नाजिम मोहम्मद बिलाल खान ने विज्ञापन जारी किया है। दरगाह ख्वाजा साहब अधिनियम 1955 की धारा 11(एफ) के अनुसार ही पूरी कार्रवाई की जा रही है, जिसमें खादिम समुदाय के दायित्व, कर्तव्य, पहचान और जायरीनों की सुविधा सुनिश्चित करने के प्रावधान हैं। इस प्रक्रिया में सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, केंद्र-राज्य सरकार और सुरक्षा रिपोर्टों की सिफारिशों का हवाला दिया गया है। हालांकि, इस प्रक्रिया का विरोध में शुरू हो गया है।

5 जनवरी को आवेदन की आखिरी तारीख

दरगाह में खादिम लाइसेंस व्यवस्था 75 वर्षों में पहली बार शुरू हो रही है। लाइसेंस के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 5 जनवरी 2026 तय की गई है. नाजिम के अनुसार, यह लाइसेंस केवल दरगाह के पुश्तैनी खादिम सैयद जादगान और शेख जादगान को ही जारी किए जाएंगे। साल 1956 में एडमिनिस्ट्रेटर की जगह नाजिम का पद बनाया गया था। अब तक 28 सदर और 37 नाजिम अपना कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। विभिन्न कार्यकालों में लाइसेंस प्रक्रिया की अनुशंसा भी हुई, लेकिन कोई भी इस प्रक्रिया को लागू नहीं कर सका। मौजूदा नाजिम बिलाल खान के कार्यकाल में पहली बार यह प्रक्रिया जमीन पर उतर रही है। कमेटी ने नाजिम की नियुक्ति को भी अवैध बताते हुए कहा कि यह माइनॉरिटी इंस्टिट्यूशन करोड़ों की आस्था से जुड़ा है और खादिमों को पुश्तैनी अधिकार प्राप्त हैं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण2026

98.78% फॉर्म डिजिटाइजेशन एवं 94% मतदाता मैपिंग के साथ

राजस्थान देशभर में अव्वल

शत–प्रतिशत डिजिटाइजेशन वाला फलोदी बना पांचवां जिला

पांच विधानसभा क्षेत्रों में 99% से अधिक मतदाताओं की मैपिंग

40,000 से अधिक बूथों पर कार्य पूर्ण, 188 बीएलओ सुपरवाइजर्स सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रदेश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 का कार्य तीव्र गति, उच्च सटीकता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ निरंतर प्रगति पर है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि प्रदेश के कुल 5 करोड़ 46 लाख 56 हजार 215 गणना प्रपत्रों में से 5 करोड़ 39 लाख से अधिक प्रपत्र ECI-Net पर सफलतापूर्वक अपलोड किए जा चुके हैं। यह 98.78 प्रतिशत उपलब्धि निर्धारित समय सीमा से पहले हासिल की गई है, जो प्रदेश की तकनीकी दक्षता, टीम वर्क और जिला स्तर पर सतत मॉनिटरिंग का प्रतिफल है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में 94 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूर्ण कर राजस्थान ने देशभर में प्रथम स्थान पर है। राज्य के 5 विधानसभा क्षेत्रों (लोहावट, बायतु, नगर, कपासन, सिकराय एवं सलूंबर) में 99% से ज्यादा मतदाता मैप कर लिए गए हैं, साथ ही 16 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां यह है आंकड़ा 98% से अधिक का है। प्रदेश के 40,000 से अधिक पोलिंग बूथों पर बीएलओ द्वारा 100 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है।

प्रदेश के 5 जिलों बाड़मेर, सलूंबर, बालोतरा, झालावाड़ और फलौदी में सभी गणना प्रपत्र पूर्णतः डिजिटाइज कर दिए गए हैं। इसी प्रकार 48 विधानसभा क्षेत्रों में भी 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य पूरा हो चुका है। महाजन ने बताया कि शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करने वाले BLO एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को सम्मानित करने के पश्चात अब शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने वाले 188 बीएलओ सुपरवाइजर्स को भी सम्मानित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारियों ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान की उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन सभी सुपरवाइजर्स को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

कुड़ी थाना प्रकरणः हाईकोर्ट ने वीडियो देखकर लगाई कड़ी फटकार

थानाधिकारी, कांस्टेबल निलंबित, थाना लाईनहाजिर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में अधिवक्ता भरतसिंह राठौड़ से धक्का-मुक्की व अभद्रता के मामले में बड़ा फैसला आया है। पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने थानाधिकारी हमीर सिंह और रीडर (कांस्टेबल) नरेंद्र सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। दोनों की सस्पेंशन ऑर्डर की कॉपी आने के बाद अधिवक्ताओं ने विजयी रैली निकाली। इससे पहले मंगलवार सुबह राजस्थान हाईकोर्ट ने मामले का संज्ञान लेकर पुलिस कमिश्नर, पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) और कुड़ी थाना प्रभारी को अदालत में तलब किया था।

हाईकोर्ट में दिखाया गया वीडियो – कमिश्नर को फटकार

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा व न्यायाधीश बी.एस. संधू के समक्ष थाने में अधिवक्ता के साथ हुए दुर्व्यवहार का वीडियो प्रस्तुत किया गया। वीडियो देखने के बाद कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश को कड़ी फटकार लगाई और सरकार व पुलिस प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए–

- पुलिसकर्मियों को सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग दी जाए।
- जनता, फरियादी और विशेष रूप से अधिवक्ताओं से कैसे व्यवहार किया जाए, इसका शिक्षण दिया जाना आवश्यक।
- संवाद कौशल और शिष्टाचार पर पुलिस को प्रशिक्षण देना अनिवार्य।

कोर्ट ने कहा कि वे इस मामले में लिखित आदेश नहीं दे रहे, लेकिन सेवा नियमों के अनुसार कठोर कार्रवाई की उम्मीद है।

वरिष्ठ अधिवक्ता की पैरवी – महिला अधिवक्ता के बावजूद बदसलूकी

अधिवक्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सचिन आचार्य एवं दिग्विजय सिंह जसोल ने पैरवी की। उन्होंने कहा कि थाने में महिला अधिवक्ता की मौजूदगी के बावजूद पुलिस ने संयमित व्यवहार नहीं रखा। पुलिस कमिश्नर ने कोर्ट को बताया कि आईपीएस स्तर के अधिकारी से पूरे मामले की जांच करवाई जा रही है। कोर्ट ने एक सप्ताह बाद अगली सुनवाई निर्धारित करते हुए विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

खाटू की तर्ज पर होगा तोरण द्वार का निर्माण

6 दिसम्बर को तोरण द्वार नीव मुहूर्त, 19 को निशान यात्रा व रथयात्रा एवं 20 को श्री श्याम संकीर्तन को होगा आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। आप सभी को जानकर हर्ष होगा कि अलवर की पावन धरा पर श्री श्याम मोरछड़ी मित्र मंडल अपनाघर शालीमार के तत्वाधान में एवं आप सभी श्याम प्रेमियो के सहयोग से अलवर की सबसे बड़ी सोसायटी अपनाघर शालीमार स्थित श्री राम मंदिर के पास खाटू की तर्ज पर भव्य श्री श्याम तोरण द्वार का निर्माण होने जा रहा है। वही मंडल के अध्यक्ष भानु प्रकाश सेन , अपना घर शालीमार के डायरेक्टर अशोक सैनी ने बताया कि भव्य तोरण द्वार का नीवं मुहूर्त 06 दिसम्बर वार शनिवार को श्री राम स्वरूप जी महाराज निज पुजारी मुंडरू धाम के पावन सान्निध्य में प्रात काल 9:30 बजे से होने जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खाटू नरेश बाबा श्याम होगे, वही विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा, पूर्व विधायक अलवर शहर बनवारी लाल सिंघल, अपना घर शालीमार के डायरेक्टर अशोक सैनी, जीतू माली (अध्यक्ष एवं संस्थापक अखिल भारतीय स्वास्थ्य सेवा दल) के कर कमलो द्वारा किया जाएगा। उपरांत विशाल अन्नकूट भंडारा आयोजित किया जायेगा। वही दिनांक 19 दिसम्बर को 551 निशान के साथ भव्य निशान यात्रा एवं चांदी के रथ पर विराजमान बाबा श्याम की रथ यात्रा दोपहर 2 बजे प्राचीन श्याम मंदिर महल चौक से रवाना होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई 30 बीघा श्री राम श्याम मंदिर अपनाघर शालीमार पहुचेगी। एवं दिनांक 20 दिसम्बर वार शनिवार को शाम 6:15 बजे से भव्य श्री श्याम संकीर्तन 30 बीघा श्री राम मंदिर गेट न. 12 अपनाघर शालीमार में आयोजित होने जा रहा है। श्री श्याम संकीर्तन में कोलकाता से भजन सम्राट जय शंकर चौधरी, दिल्ली से सोनी सिस्टर्स, राधिका ठाकुर, अलवर से भाई महेंद्र अमन, कमल कान्हा सुखवानी, दिल्ली की धवनी म्यूजिकल ग्रुप बाबा को मीठे मीठे भजनों से रिझायेगे। वही कार्यक्रम का मंच संचालक राजकुमार दादवानी द्वारा किया जायेगा। श्री श्याम संकीर्तन में 56 भोग की झाकी सजाई जाएगी। दरबार सेवा श्री श्याम सांवरा मित्र मंडल रजि. अलवर द्वारा की जाएगी।

राजीविका एवं सुवर्ण पथ एड्यूटेक वेंचर्स के बीच एमओयू

उच्च गुणवत्ता प्रशिक्षण से महिलाओं का होगा बेहतर कौशल विकास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) एवं कौशल प्रशिक्षण क्षेत्र की अग्रणी सुवर्ण पथ एड्यूटेक वेंचर्स प्रा. लि. (कमला पोद्दार ग्रुप) के बीच मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अंतर्गत राजीविका समूहों से जुड़ी महिलाओं को उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण मिल सकेगा और अधिक से अधिक सशक्त, कुशल और उद्यम के लिए तैयार ग्रामीण महिलाएं सामने आएंगी। सुवर्ण पथ एड्यूटेक वेंचर्स (केपीजी) द्वारा प्रशिक्षण देने के अंतर्गत एसएचजी महिलाओं को उनके द्वारा बनाए उत्पादों को बेहतर बनाने के लिए विशिष्ट उत्पाद डिजाइन, गुणवत्ता में सुधार, वर्तमान चलन के अनुरूप पैकेजिंग और नवाचार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह ग्रुप सशक्त, कुशल और अपना उद्यम लगाने के लिए तैयार ग्रामीण महिलाओं को बढ़ावा देने के राजीविका के निरंतर प्रयासों का ही एक भाग है। एमओयू कार्यक्रम ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव, श्रेया गुहा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। MoU पर नेहा गिरि, स्टेट मिशन डायरेक्टर, राजीविका एवं अभिषेक पोद्दार, डायरेक्टर, कमला पोद्दार ग्रुप ने हस्ताक्षर किए। एमओयू हस्ताक्षर के अवसर पर श्रीमती प्रीति सिंह, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, राजीविका; श्रीनिवास मीणा, चीफ ऑपरेटिंग मैनेजर, राजीविका; कमला पोद्दार, चेयरपर्सन, कमला पोद्दार ग्रुप के साथ ही स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर और राजीविका के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्रेया गुहा ने ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए गुणवत्ता-आधारित कौशल विकास, बाजार तक सुगम पहुँच तथा बेहतर संपर्कों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के रणनीतिक सहयोग से स्वयं सहायता समूह की महिलाएं प्रतिस्पर्धी उत्पादक, डिजाइनर और सफल उद्यमी बन सकेंगी तथा विभिन्न बाजारों में आत्मविश्वास के साथ सार्थक भागीदारी करने में सक्षम होंगी। समझौता ज्ञापन के अंतर्गत कमला पोद्दार ग्रुप उत्पाद डिजाइन एवं गुणवत्ता उन्नयन, पैकेजिंग में नवाचार, संचार एवं नेतृत्व कौशल, वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता, ब्रांडिंग, नैतिक व्यापारिक प्रथाएं, स्थायित्व, व्यावहारिक एवं आपसी संपर्क आदि क्षेत्रों में महिलाओं को आधुनिक कौशल-विकास मॉड्यूल के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करेगा। ग्रुप ने SHG महिलाओं तक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के डिजाइन विशेषज्ञों की विशेषज्ञता और उद्योग का एक्सपोजर उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। राजीविका और कमला पोद्दार ग्रुप के संयोजन से यह पहल क्षमता निर्माण को मजबूत करने, सुदृढ़ बाजार संपर्क स्थापित करने तथा राजस्थान में महिला-नेतृत्व वाले ग्रामीण उद्यमों के लिए स्थायी व भविष्य के लिए तैयार तंत्र विकसित करने में भूमिका निभाएगी।

प्रदेश में की जारी रही है मांग अनुसार यूरिया की आपूर्ति

दिसम्बर के 2 दिवसों में हुई 30 हज़ार 256 मै.टन यूरिया की आपूर्ति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य के कृषकों को मांग अनुसार यूरिया आपूर्ति करवाने हेतु राज्य सरकार द्वारा पूर्ण प्रयास किये जा रहे है। राज्य में दिसंबर के प्रथम सप्ताह में 40 रैक यूरिया की आपूर्ति हेतु भारत सरकार से आग्रह किया जा चुका है जिसमें 01 व 02 दिसंबर को 30 हज़ार 256 मै.टन यूरिया की आपूर्ति हो चुकी है एवं वर्तमान में 13 रैक परिवहन में है जिनसे आगामी 2 से 3 दिन में 34 हजार मेट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति हो जाएगी। जिनकी कोटा, बूंदी, झालावाड़, बारां, सलूंबर, उदयपुर, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चितौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, जयपुर, भरतपुर, धौलपुर, अलवर, कोटपुतली, खैरथल-तिजारा, करौली, सीकर, चुरू, झुंझुनूं, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, राजसमंद और सिरोही इत्यादि जिलों में आपूर्ति की जायेगी।

दिसम्बर माह के प्रथम सप्ताह में कुल 1 लाख 8 हज़ार मेट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति की जाएगी। राज्य में जिन क्षेत्रों में यूरिया का स्टॉक कम है उनकी ब्लॉक लेवल पर मोनेटरिंग की जाकर आपूर्ति करवाई जा रही है। राज्य में प्रतिदिन लगभग 6 रैक यूरिया की आपूर्ति होना संभावित है एवं 2 हजार 500 मै.टन प्रतिदिन सडक मार्ग द्वारा अधिक मांग वाले क्षेत्रों में आपूर्ति करवाई जा रही है।

स्टेट एम्पावर्ड कमेटी ने 2800 करोड़ रुपये से ज़्यादा के निवेश प्रस्तावों पर चर्चा की

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान एंटरप्राइजेज सिंगल विंडो इनेबलिंग एंड क्लियरेंस एक्ट, 2011 के तहत गठित स्टेट एम्पावर्ड कमेटी (SEC) ने मंगलवार को राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम (RIPS) के तहत कस्टमाइज़ पैकेज के लिए प्राप्त परियोजनाओं पर चर्चा की। इससे राज्य में 2882.05 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता खुलेगा। कमेटी की 44वीं बैठक मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में हुई। ये परियोजनाएं टेक्सटाइल, मैन्युफैक्चरिंग, गैस डिस्ट्रीब्यूशन, ऑटोमोबाइल और केमिकल्स सहित कई सेक्टर्स से जुड़ी हैं। इन से राज्य में 8015 से ज़्यादा नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। राज्य में निवेश के लिए हिंदुस्तान ज़िंक फर्टिलाइज़र प्राइवेट लिमिटेड, एम.आर. वीविंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, डायकिन एयर कंडीशनिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ईपैक ड्यूरेबल लिमिटेड, एजीएंडपी प्रथम प्राइवेट लिमिटेड और लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनके निवेश न सिर्फ़ राज्य के विकास में योगदान देंगे बल्कि राज्य में रोज़गार भी पैदा करेंगे।

दुर्घटना के शिकार एक विद्युत कार्मिक की आश्रित पत्नी को एक करोड़ रूपए का क्लेम

असमय ही दिवंगत हुए 6 विद्युतकर्मियों के आश्रितों को मिला आर्थिक सुरक्षा का कवच

ऊर्जा मंत्री ने सौंपे 1.50 करोड़ रूपए के चेक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पहले क्या थी स्थिति

विद्युत कार्य करते समय कई बार जोखिमपूर्ण परिस्थितियों के चलते विद्युत कार्मिक हादसे का शिकार हो जाते हैं। विकलांगता एवं अशक्तता के साथ ही असमय ही जान तक चली जाती है। जिसके लिए वर्तमान नियमों में निगम क्षतिपूर्ति के रूप में अधिकतम 20 लाख रूपए तक ही आश्रित परिवार को प्रदान कर पाते थे। जो कि कई बार विषम पारिवारिक परिस्थितियों के कारण पर्याप्त प्रतीत नहीं होती थी। ऐसे में विद्युत कर्मचारी संगठनों की मांग पर डिस्कॉम्स प्रबंधन ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा का यह एमओयू किया था जिससे अब कर्मचारियों को दुख की इस घड़ी में आर्थिक संबल मिल रहा है।

जयपुर। राजस्थान डिस्कॉम्स द्वारा भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से शुरू की गई व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना दिवंगत कार्मिकों के आश्रितों को मुश्किल घड़ी में संबल प्रदान कर रही है। असमय ही दिवंगत हुए जयपुर विद्युत वितरण निगम के 6 कार्मिकों के आश्रितों को ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने मंगलवार को विद्युत भवन में आयोजित कार्यक्रम में एक करोड़ 50 लाख रूपए की बीमा राशि के चेक प्रदान किए। यह राशि निगम द्वारा राजकीय नियमों के अन्तर्गत देय परिलाभों के अतिरिक्त है।

नागर ने जयपुर डिस्कॉम की इस मानवीय पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार मुश्किल परिस्थितियों में कार्य करने वाले कार्मिकों के प्रति सदैव संवेदनशील रही है। ऊर्जा मंत्री ने इस अवसर पर दिवंगत कार्मिक बच्चू सिंह मीणा की पत्नी मनीषा मीणा को 1 करोड़ रूपए का चेक प्रदान किया। दौसा के मनोहरपुर सहायक अभियन्ता कार्यालय में तकनीशियन प्रथम पद पर कार्यरत बच्चू सिंह का इस साल 19 मई को सड़क दुर्घटना में देहावसान हो गया था। उन्होंने तकनीशियन (प्रथम) स्व. मनोज शर्मा एवं स्व. नवीन, तकनीशियन (द्वितीय) स्व. राकेश सुमन, लाइनमैन (प्रथम) स्व. युधिष्ठिर कुमार सैनी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (कार्यालय अधीक्षक द्वितीय) स्व. दशरथ सिंह के आश्रितों को भी 10-10 लाख रूपए की सावधि बीमा राशि के चेक प्रदान किए। प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा अजिताभ शर्मा, चेयरमैन राजस्थान डिस्कॉम्स आरती डोगरा, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी, भारतीय स्टेट बैंक के वरिष्ठ अधिकारी तथा विद्युत निगम कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि भी इस दौरान उपस्थित रहे।

निगम के मुख्य कार्मिक अधिकारी हरिभूषण भाटिया ने बताया कि 22 अप्रेल 2025 को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की उपस्थिति में विद्युत निगमों ने मुख्यमंत्री निवास पर भारतीय स्टेट बैंक के साथ कार्पोरेट सैलरी पैकेज के अन्तर्गत एमओयू किया था। जिसके अनुसार दुर्घटना मृत्यु या पूर्ण दिव्यांगता की स्थिति में बैंक द्वारा आश्रितों को 1 करोड़ रूपए, आंशिक निःशक्तता की स्थिति में 80 लाख रूपए का तथा अन्य परिस्थितियों में बीमा कवर उपलब्ध कराया गया है। इसके लिए न तो विद्युत निगमों ने बैंक को कोई प्रीमियम दिया है न कार्मिकों ने। इस बीमा का प्रीमियम बैंक स्वयं अदा कर रहा है। योजना के जरिए वितरण निगम बिना किसी अतिरिक्त आर्थिक भार के अपने दिवंगत कर्मचारियों के आश्रित परिजनों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित कर पा रहे हैं।

अब सेवानिवृत्त कार्मिकों को भी व्यापक पेंशन पैकेज

कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री ने जयपुर विद्युत वितरण निगम के सेवानिवृत्त पेंशनर कार्मिकों के लिए भी भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से व्यापक पेंशन पैकेज का शुभारंभ किया। इसके अन्तर्गत अब इन सेवानिवृत्त कार्मिकों को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा की स्थिति में 30 लाख रूपए तथा बीमारी, बच्चों के विवाह एवं उच्च शिक्षा की स्थिति 10 लाख रूपए का बीमा कवर सम्मिलित है।